संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 197
पृष्ठ 8
मंगलवार
07 अप्रैल 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मी में पेट और स्किन को...

विचार- भ्रष्टाचार पर नकेल कस बालेन...

खेल- अश्विन का बड़ा खुलासा: बताया...

असम में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कांग्रेस ने वही बातें दोहराईं जो पाकिस्तान फैला रहा था

गुवाहाटी,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर पाकिस्तान के विचारों से संबंध रखने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी दल के राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी रवैये की वजह से पाकिस्तान को बार–बार इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले असम के बरपेटा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने दावा किया कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कांग्रेस नेताओं ने पाकिस्तान के पक्ष में रुख अपनाया था। उन्होंने रक्षा और शासन व्यवस्था के क्षेत्र में पार्टी के व्यापक रिकॉर्ड की आलोचना को दोहराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह के रुख ने ऐतिहासिक रूप से राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पाकिस्तान को प्रोत्साहन दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कांग्रेस ने वही बातें दोहराईं जो पाकिस्तान फैला रहा था। कांग्रेस नेताओं का पाकिस्तान से यह संबंध हमेशा से रहा है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी असम में 9 अप्रैल को होने वाले 126 विधानसभा चुनावों में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन जुटाने के लिए आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आई। मोदी ने कहा कि कांग्रेस कभी जनता के बीच अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर नहीं जाती। जबकि बीजेपी सरकार, साफ नीयत से जनता को बताती है कि हमने जनता की सेवा के लिए क्या किया। मोदी ने कहा कि 2013 में जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब धान का एमएसपी मात्र 1,300 रुपएध क्विंटल था। आज धान का एमएसपी करीब 2,370 रुपएध क्विंटल है और असम की भाजपा सरकार अपनी तरफ से भी इसमें वृद्धि करती है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले के 10 वर्षों में जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब देश के धान किसानों को एमएसपी के सिर्फ 4 लाख करोड़ रुपए मिले थे। लेकिन 2014 के बाद के 10 वर्षों में ध ान किसानों को हमारी सरकार ने 16 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। साफ है कांग्रेस कभी धान किसानों का भला नहीं कर सकती। नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए विधानसभा में और संसद में महिलाओं की भूमिका हो, ये बहुत जरूरी है, इसलिए हमारी सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। इसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तय हुआ है। देश की बहन बेटियों ने 40 साल तक इसका इंतजार किया है। इसलिए जरूरी है 2029 के लोकसभा चुनाव से ही महिलाओं को ये हक मिले।

जेपी नड्डा फूंका जीत का बिगुल, कहा-

एनडीए को मिल रहा अपार जनसमर्थन

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि असम में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में मजबूत माहौल है। तिनसुकिया में एएनआई से बात करते हुए नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, एनडीए के पक्ष में माहौल है। एनडीए को समाज के सभी वर्गों का सर्वसम्मति से समर्थन मिल रहा है। मोदी जी ने असम में जो काम किया है, असम को जो आशीर्वाद दिया है और हिमंता बिस्वा शर्मा जी ने जमीनी स्तर पर जिस तरह से इसे लागू किया है, असम की जनता उसका स्वागत कर रही है। असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में चुनाव होंगे और मतगणना 4 मई को होगी। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि उसने अपने हितों को प्राथमिकता दी और अपने शासनकाल में असम को विकास से वंचित रखा। भाजपा उम्मीदवार शिलादित्य देव के समर्थन में होजाई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, मोदी ने जिले में बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए एनडीए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने असम को बिजली के मामले में एक आदर्श राज्य बताया और उल्लेख किया कि केंद्र ने पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना के तहत सौर पैनल लगाने के लिए 70,000 से 80,000 रुपये उपलब्ध कराए हैं। मोदी ने कांग्रेस पर परिवार को प्राथमिकता देने का आरोप भी लगाया। 2026 के असम विधानसभा चुनावों में एनडीए की जीत पर विश्वास जताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि होजाई हो, पूर्वी कार्बी आंगलोंग हो या पश्चिमी कार्बी आंगलोंग, आप हर क्षेत्र से ऊर्जा लेकर यहां पहुंचे हैं। यह माहौल दर्शाता है कि असम ने भाजपा–एनडीए के लिए सबसे बड़ी जीत हासिल करने का निश्चय कर लिया है। हर क्षेत्र का विकास एनडीए की प्राथमिकता है। इसीलिए हमारी सरकार ने शुरुआत में ही होजाई को एक अलग जिला घोषित कर दिया था।

राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना,बोले-

सरकार का रवैया कोरोना महामारी जैसा

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव चल रहे है। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रही है। इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलपीजी गैस संकट से उसी तरह निपटा है, जैसे उन्होंने कोविड–19 महामारी से निपटा था। उन्होंने आगे कहा कि क्योंकि यह नीति से रहित, केवल बड़ी–बड़ी घोषणाओं से भरा है। इसका पूरा बोझ गरीबों पर डाल दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सवाल उठाया कि हर संकट में सबसे पहले गरीब ही क्यों मरते हैं? वहीं, लोगों से चुप न रहने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स के एक पोस्ट में कहा, ष्मोदी जी ने कहा था श्हम एलपीजी गैस संकट को उसी तरह संभालेंगे जैसे हमने कोविड को संभाला था।श और वास्तव में, उन्होंने ठीक वैसा ही किया। बिल्कुल कोविड की तरह – नीति का अभाव, बड़ी–बड़ी घोषणाओं से भरा हुआ, और सारा बोझ गरीबों पर डाल दिया गया।ष उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 500–800 रुपये की मजदूरी कमाने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए खाना पकाने की गैस पूरी तरह से महंगी हो गई है। उन्होंने कहा कि रात में घर लौट रहे एक मजदूर के पास चूल्हा जलाने के लिए भी पैसे नहीं होते। उन्होंने आरोप लगाया कि ष्परिणाम क्या हुआ? शहर छोड़कर गांव भाग जाना। कपड़ा मिलों और कारखानों की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले मजदूर आज खुद टूटने की कगार पर हैं।ष उन्होंने आगे कहा, "वस्त्र क्षेत्र पहले से ही आईसीयू में है। विनिर्माण क्षेत्र सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहा है। और इस संकट की जड़ कहां है? उस कूटनीतिक चूक से – जो वार्ता की मेज पर हुई – जिसे सरकार आज तक स्वीकार करने से इनकार करती है।" राहुल गांधी ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जब अहंकार नीति बन जाता है, तो अर्थव्यवस्था चरमरा जाती है, मजदूर पलायन करने को मजबूर हो जाते हैं, उद्योग बर्बाद हो जाते हैं और पूरा देश दशकों पीछे चला जाता है। उन्होंने आगे कहा, "एक ही सवाल बाकी है, हर संकट में सबसे पहले गरीब ही क्यों मरते हैं? चुप मत रहो। यह सिर्फ गरीबों का सवाल नहीं हैय यह हम सभी का सवाल है।" 23 मार्च को संसद में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उत्पन्न कठिन वैश्विक परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रहने की संभावना है।

हाईवे पर मवेशियों की आवाजाही रोकने की मांग

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देशभर के राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर आवारा मवेशियों की आवाजाही रोकने के लिए दायर याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब तलब किया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र सरकार के साथ–साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा। याचिका में प्राधिकरणों को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे हाईवे पर मवेशियों के प्रवेश को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक दिशानिर्देश तैयार करें और उन्हें सख्ती से लागू करें। लॉयर्स फॉर ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल नामक संगठन द्वारा दायर इस याचिका में विशेष रूप से दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे की अनिवार्य घेराबंदी (फेंसिंग) की मांग की गई है। इसके अलावा, वैज्ञानिक तरीके से संचालित गौशालाओंध्पशु आश्रयों की स्थापना के लिए निर्धारित फंडिंग सुनिश्चित करने और मवेशियों को अवैध रूप से छोड़ने पर कड़ी दंडात्मक जिम्मेदारी तय करने की भी मांग की गई है।

सीएम योगी का संदेश पत्रकारिता पर संयम जरूरी, कहा-

जनमानस को विचलित करती है एक ही खबर में भिन्नता

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारिता के विभिन्न माध्यमों में समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एक ही तथ्य को अलग–अलग माध्यमों से प्रस्तुत करने पर जनमानस में भ्रम फैलता है। यह स्थिति मीडिया के प्रति जनविश्वास को प्रभावित करती है। इसलिए सभी अंगों को समान मानक, मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारिता को कभी बेलगाम न होने देने का आह्वान किया। उन्होंने मूल्यों और आदर्शों के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया। भारत में पत्रकारिता का मूलभाव राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और एक भारत श्रेष्ठ भारत रहा है। मुख्यमंत्री ने समाज को गुमराह करने वाली पत्रकारिता से बचने की सलाह दी। सामाजिक और मुद्रित माध्यम में खबर की भिन्नता जनमानस को विचलित करती है। सरकार मूल्यों पर आधारित पत्रकारिता के साथ सदैव खड़ी है। लोकतंत्र संवाद से चलता है, जिसमें आलोचना को व्यक्तिगत रंजिश नहीं मानना चाहिए। पत्रकारिता समाज का आईना है और जनविश्वास का प्रतीक है। सही–गलत के प्रति एक भाव में रहना आवश्यक है। महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने भी पत्रकारिता को देश सेवा का माध्यम बनाया। तिलक ने 1916 में लखनऊ से स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है का नारा प्रसारित किया था। पत्रकारिता ने कठिन मार्गों का अनुसरण करते हुए सदैव अपने लक्ष्यों को प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि विपरीत परिस्थितियों में भी पत्रकारिता ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूती दी है। 200 वर्ष पहले 30 मई 1826 को कोलकाता से हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत हुई थी। जुगुल किशोर शुक्ल ने हिंदी के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तण्ड का शुभारंभ किया था। उन्होंने देश की आजादी के स्वर को तेज करने के लिए पत्रकारिता को माध्यम बनाया। यह शानदार यात्रा 200 वर्ष से बिना रुके आगे बढ़ रही है। भारतीय पत्रकारिता का आधार उपनिषदों की सत्यमेव जयते सूक्ति से प्रेरित है। विघटनकारी शक्तियों की चुनौती हमेशा रही है, पर हमें इन बाधाओं से विचलित नहीं होना है। सरकार ने अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति अपनी शून्य सहिष्णुता की नीति जारी रखी है। समाज के प्रत्येक वर्ग को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने पत्रकारों के लिए भी विभिन्न आवासीय योजनाएं चलाई हैं। मान्यता प्राप्त पत्रकारों को नकद रहित चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। गोरखपुर में पत्रकारिता की दिशा राष्ट्रभक्ति के भाव को बढ़ाने वाली होनी चाहिए। आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना में पत्रकारिता की भूमिका महत्वपूर्ण है।

सरकार मूल्यों व आदर्शों पर आधारित पत्रकारिता के साथ सदैव खड़ी है। गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की स्थापना 1998 में हुई थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का सानिध्य इसके सदस्यों को प्राप्त था। पुलिस अधीक्षक त्रिपाठी और अरविंद शुक्ला ने इसकी स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सरकार ने क्लब को एक भव्य भवन दिया है। महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

केरल में प्रियंका गांधी ने कहा-

सत्ता में बने रहने के लिए एलडीएफ और भाजपा के बीच समझौता

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी।कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को केरल के कन्नूर में

एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने भाजपा के साथ समझौता कर लिया है। प्रियंका ने कहा कि एलडीएफ 10 साल तक सत्ता में बने रहने के लिए अपनी विचारधारा और जिम्मेदारी से समझौता कर रही है। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने पेरावूर में कहा कि एलडीएफ ने उस भाजपा से समझौता किया है जो अल्पसंख्यकों को परेशान करती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ईसाई समुदाय और उनकी नन को परेशान करती है, फिर भी एलडीएफ उनके साथ है। प्रियंका ने सबरीमाला में हुई चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर एक शब्द भी नहीं बोला। उनके अनुसार, यह चुप्पी दोनों पार्टियों के बीच समझौते का बड़ा सबूत है।

प्रियंका गांधी ने केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब भी कोई प्रधानमंत्री के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसे सीबीआई, ईडी या इनकम टैक्स के मुकदमों का सामना करना पड़ता है। लेकिन केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ ऐसा एक भी मामला नहीं है।

दिल्ली हाईकोर्ट से सीबीआई को नोटिस, सुनवाई बाद केजरीवाल बोले- केस कोर्ट में, कुछ नहीं कहूंगा

नयी दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अदालत में अपना पक्ष खुद रखने की बात कही है। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो की एक याचिका पर सुनवाई कर रहे जज को बदलने की मांग की है। मामले की सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। इस संबंध में केजरीवाल ने अदालत में एक नई याचिका दाखिल की। केजरीवाल की इस याचिका पर अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस जज बदले जाने की मांग से संबंधित है। केजरीवाल ने अदालत में स्पष्ट किया है कि वह अपने मामले की पैरवी स्वयं करेंगे। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो की मूल याचिका पर हो रही सुनवाई के दौरान जज को बदलने की मांग की है। केजरीवाल का मानना है कि जज का बदला जाना न्याय प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने अपनी

याचिका में इस बदलाव के पीछे के कारणों का भी उल्लेख किया है। अदालत ने इस संवेदनशील मुद्दे पर केंद्रीय जांच ब्यूरो से जवाब मांगा है। यह घटनाक्रम मामले की न्यायिक कार्यवाही में एक महत्वपूर्ण मोड़ लेकर आया है। केजरीवाल की याचिका पर सोमवार को सुनवाई में जोरदार दलीलें रखी गईं। मामले में अरविंद केजरीवाल ने खुद दलीलें रखनी शुरू की। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने रिक्यूज़ल याचिका दाखिल की है। इसे रिकॉर्ड में लिया जाए। याचिका में न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा से आग्रह किया गया है कि वह मामले में उन्हें बरी किए जाने के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लें। इस पर सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केजरीवाल की अपील का विरोध किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के आरोप बेबुनियाद और अपमानजनक हैं। केजरीवाल के आरोप बेबुनियाद और कोर्ट की अवमानना घ्करने वाले हैं। अदालत कोई नौटंकी का मंच नहीं है। यदि अरविंद केजरीवाल खुद रूप से पेश होकर बहस करना चाहते हैं तो उनको अपने वकील को हटा देना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को यह भी बताया कि बरी किए गए 7 अन्य आरोपियों ने भी जज को सुनवाई से हटाने की याचिका दी है। वहीं जस्टिस शर्मा ने कहा कि यदि कोई और भी ऐसी अर्जी देना चाहता है तो दे सकता है ताकि मैं सभी अर्जियों पर एक ही बार में कोई फैसला ले सकूं। यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो की उस अपील से संबंधित था। अपील में ट्रायल कोर्ट द्वारा केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत अन्य आरोपियों को दी गई राहत को चुनौती दी गई थी। इससे पहले, केजरीवाल ने मुख्य न्यायाधीश डी.के उपाध्याय के समक्ष मामले को किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने की मांग की थी।

डीयू के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी

नयी दिल्ली,एजेंसी। आज सुबह दिल्ली विश्वविद्यालय के दो प्रतिष्ठित कॉलेज, रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज, को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद खाली करा लिया गया। इस सूचना के बाद पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। धमकी मिलने की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस हरकत में आ गई। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड को तुरंत कॉलेज परिसरों में भेजा गया। सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचकर पूरे कॉलेज में तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके। अभी तक की तलाशी में किसी भी प्रकार का विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु मिलने की कोई खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार, दोनों कॉलेजों को एक ई–मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इस सूचना को देखते हुए तत्काल दोनों कॉलेजों के सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दिल्ली पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है। धमकी भरे ई–मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर सेल को भी सक्रिय कर दिया गया है। वहीं, चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर ब्लास्ट के ठीक पांच दिन बाद आज सोमवार को चंडीगढ़ और जालंध ार के स्कूलों व सरकारी इमारतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। साथ ही चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी गांधी भवन में रात 9.11 बजे ग्रेनेड हमला होने की बात कही गई है। यह धमकी ईमेल से जरिए आई। इसके बाद प्रशासन और पुलिस हरकत में आई और सभी जगह सर्च ऑपरेशन चलाया गया। खास बात है कि धमकियों के साथ खालिस्तान संबंधी मैसेज भी लिखे गए हैं।

स्टंट करना पड़ा महंगा, सिविल लाइंस में डिवाइडर से टकराकर कई राउंड पलटी कार

प्रयागराज। सिविल लाइंस में सोमवार दोपहर 12 बजे एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराने के बाद कई राउंड पलटनी खाते हुए डिवाइडर के दूसरे लेन पर पहुंच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह हादसा स्टंट के दौरान हुआ है।

सिविल लाइंस में सोमवार दोपहर 12 बजे एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराने के बाद कई राउंड पलटनी खाते हुए

डिवाइडर के दूसरे लेन पर पहुंच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह हादसा स्टंट के दौरान हुआ है। घटना के समय कार की स्पीड 100 के ऊपर थी। बताया जाता है कि कार में सिर्फ चालक था। जिसे लोगों ने बाहर निकालकर बैठाया था। कुछ देर बाद वह कहीं चला गया। पुलिस कार चालक की तलाश कर रही है। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस भी पहुंच गई। हादसे के चलते सड़क पर कुछ देर तक आवागमन भी बाधित रहा। घटना मैक्स मॉल के सामने हुआ। कार की टक्कर से स्ट्रीट लाइट भी टूट गई। कार के परखचे उड़ गए।

नवाबगंज के हथिगहां में दबंगों का तांडव, पथराव और आगजनी, कार के शीशे तोड़े, कई हिरासत में

प्रयागराज। नवाबगंज के हथिगंहा बाजार में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद के दौरान उपद्रवियों ने जमकर कहर बरपाया। ईंट–पत्थर चलने से चार लोग घायल हो गए। इस दौरान कुछ लोगों ने ट्रैक्टर और बाइक में आग लगा दी और कार के शीशे तोड़ दिए। नवाबगंज के हथिगंहा बाजार में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद के दौरान उपद्रवियों ने जमकर कहर बरपाया। ईंट–पत्थर चलने से चार लोग घायल हो गए। इस दौरान कुछ लोगों ने ट्रैक्टर और बाइक में आग लगा दी और कार के शीशे तोड़ दिए। मौके पर पहुंची नवाबगंज पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया। कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मोहम्मदपुर हथिगंहा निवासी मुन्ना यादव की हार्डवेयर की दुकान हथिगहां चौराहे पर है। बताया जाता है कि मुन्ना यादव बीती देर रात अपने भाई नितिन यादव के साथ घर जा रहा था। जैसे वह वह हथिगंहा सड़क मार्ग पर पहुंचा था कि कारोबारी काली शंकर के बेटे विभव गुप्ता ने मुन्ना यादव को थप्पड़ जड़ दिया। भाई को अपमानित देखकर मुन्ना यादव के छोटे भाई नितिन यादव ने विरोध किया तो वहां पर मौजूद लोगों ने हंगामा करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

घटना की जानकारी मिलते मुन्ना यादव के गांव के काफी लोग हथिगंहा बाजार आ गए। आक्रोशित लोगों ने ईंट–पत्थर चलाते हुए ट्रैक्टर तथा बाइक में आग लगा दी और कार के शीशे तोड़ दिए। हंगामा और बवाल की जानकारी मिलते ही नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उपद्रवी तत्वों को खदेड़ दिया। इस दौरान किए गए पथराव में पत्थर लगने अभय गुप्ता, विभव गुप्ता तथा उषा देवी तथा दूसरे पक्ष नितिन यादव घायल हो गए। घायलों में नितिन यादव की हालत नाजुक होने पर लखनऊ रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि नितिन यादव के परिजनों की तहरीर पर आरोपियों पर कार्रवाई की जा रही है।

पुरी शंकराचार्य बोले : अगर योगी आदित्यनाथ जैसा सीएम न हो तो बन जाए गृह युद्ध के हालात

प्रयागराज। गोवर्धन मठ पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज ने कहा है कि 1947 में भारत का विभाजन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की देन है। नई झूंसी स्थित शिवगंगा आश्रम में अपने प्रवास के दूसरे दिन रविवार को पत्र प्रतिनिधियों के प्रश्न पर उन्होंने धार्मिक उन्माद पर तल्ख टिप्पणी की। गोवर्धन मठ पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज ने कहा है कि 1947 में भारत का विभाजन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की देन है। नई झूंसी स्थित शिवगंगा आश्रम में अपने प्रवास के दूसरे दिन रविवार को पत्र प्रतिनिधियों के प्रश्न पर उन्होंने धार्मिक उन्माद पर तल्ख टिप्पणी की। कहा कि महात्मा गांधी ने पहले धर्म के आधार पर देश का बंटवारा कराया और जब मुसलमान यहां से पाकिस्तान जाने लगे तो उन्हें रोकने के लिए आचार्य कृपलानी को लगा दिया। शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने कहा कि वर्तमान में छद्म नेताओं की ओर से देश और प्रदेश में ऐसा वातावरण बनाया जा रहा है कि अगर योगी आदित्यनाथ जैसा मुख्यमंत्री न हो तो यहीं पर गृह युद्ध जैसे हालात पैदा हो जाएं। पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने उत्तराखंड के चार धाम क्षेत्र में मुसलमानों के प्रवेश प्रतिबंध प्रस्ताव के सवाल पर कहा कि पवित्र गंगोत्री और यमुनोत्री नदियों में स्नान के लिए सभी अधिकृत हैं। रमजान के महीने में काशी में नाव में बैठकर इफ्तार करने और मांस खाने के बाद उसका अपशिष्ट नदी में फेंकने पर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। कहा कि अच्छा होता ऐसे विधर्मियों की नाव ही डूब जाती। इस मौके पर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद के निजी सचिव स्वामी निर्विकल्पानंद, हृषिकेश ब्रह्मचारी और प्रफुल्ल चौतन्य ब्रह्मचारी आदि मौजूद रहे।

एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी बदमाश को संभल से पकड़ा

प्रयागराज। अयोध्या में एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित अपराधी अरुण को स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने संभल से शनिवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। मूलरूप से मेरठ के जागृति विहार निवासी आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। अयोध्या में एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित अपराधी अरुण को स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने संभल से शनिवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। मूलरूप से मेरठ के जागृति विहार निवासी आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। आरोपी को एसटीएफ की टीम ने अयोध्या पुलिस को सौंप दिया है। एसटीएफ प्रयागराज की टीम को सूचना मिली कि अयोध्या के थाना बीकापुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत अरुण के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। साथ ही उस पर 50 हजार का इनाम घोषित है। जानकारी मिलते ही एसटीएफ प्रभारी जय प्रकाश की टीम ने आरोपी को संभल जिले के थाना बबराला स्थित अंबेडकर कॉलोनी के पास से पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर गांजा की तस्करी करता था। वह गांजा को मेरठ और उसके आसपास के जिलों में महंगे दाम पर बेचता था। वर्ष 2023 में उसने ओडिशा से गांजा की खेप मंगाई थी, लेकिन उसके साथी अयोध्या में पकड़े गए। इसके बाद उस पर 50 हजार का इनाम घोषित कर दिया गया।

नई टाउनशिप के लिए अतीक की जमीन भी होगी अधिग्रहीत, एयपोर्ट के पास माफिया की भूमि चिह्नित

प्रयागराज। नई टाउनशिप के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने एयरपोर्ट के आसपास 209 हेक्टेयर में जो जमीन चिह्नित की है, उसके बड़े हिस्से पर अतीक अहमद और उसके साथियों का कब्जा था।

नई टाउनशिप के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने एयरपोर्ट के आसपास 209 हेक्टेयर में जो जमीन चिह्नित की है, उसके बड़े हिस्से पर अतीक अहमद और उसके साथियों का कब्जा था। ऐसी जमीनों का बैनामा अभी नहीं किया जा रहा है। टाउनशिप बसाने के लिए पीडीए को यह जमीन देने की तैयारी है। इससे पहले पीडीए ने हेतापट्टी के आसपास नई टाउनशिप बसाने की तैयारी की थी। इसके लिए मौके पर जमीन का सर्वे भी किया गया था पर स्थानीय किसानों ने विरोध कर जमीन देने से इनकार कर दिया था। वहीं, पीडीए ने दो दशक से कोई नई आवासीय योजना शुरू नहीं की है। उस पर नई योजना पर काम शुरू करने का दबाव है।

कुछ दिन पहले पीडीए बोर्ड की बैठक में एयरपोर्ट के पास नई टाउनशिप बसाने की योजना का प्रस्ताव पारित कर शासन को भेज दिया गया है। शासन से मंजूरी मिलते ही पीडीए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करेगा। यह टाउनशिप 209 हेक्टयेर में बसाए जाने की तैयारी है। इसके लिए जो गांव चिह्नित किए गए हैं, उनमें कसारी–मसारी, कटहुला गौसपुर, ऐनुद्दीनपुर व पीपल गांव में जमीन के बड़े हिस्से पर अतीक व उसके साथियों का कब्जा था।

निबंधन विभाग के सूत्रों का कहना है कि पुलिस जांच के आधार पर ऐसी जमीन चिह्नित होने के बाद फिलहाल उनकी खरीद–फरोख्त नहीं हो रही है। निबंधन विभाग ऐसी संपत्तियों की रजिस्ट्री भी नहीं कर रहा। एआईजी स्टाम्प राकेश चंद्रा का कहना है कि ऐसी जमीन की रजिस्ट्री में काफी सतर्कता व निगरानी बरतने की जरूरत है। जमीन के अटैचमेंट से संबंधित कोई ऑर्डर निबंधन विभाग को अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

वहीं, सूत्रों का कहना है कि यह जमीन अब नई टाउनशिप के लिए पीडीए को देने की तैयारी है, जहां आम शहरियों के लिए सस्ते प्लॉट, फ्लैट के साथ अस्पताल, स्कूल, खेल के मैदान, पार्क आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। एयरपोर्ट के पास पीडीए का यह काफी महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। क्योंकि, मेट्रो रेल का विस्तार भी एयरपोर्ट तक किया जाना है। इससे टाउनशिप की मांग काफी बढ़ जाएगी।

अब बोड़ाकी नहीं, कहिए ग्रेटर नोएडा रेलवे स्टेशन, 20 वंदे भारत रेक की रहेगी होल्डिंग क्षमता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) प्रयागराज जोन के अंतर्गत आने वाला बोड़ाकी हॉल्ट अब इतिहास बनने जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की साझा योजना के तहत इस छोटे से हॉल्ट को अब ग्रेटर नोएडा रेलवे स्टेशन के रूप में नई पहचान मिलेगी। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) प्रयागराज जोन के अंतर्गत आने वाला बोड़ाकी हॉल्ट अब इतिहास बनने जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की साझा योजना के तहत इस छोटे से हॉल्ट को अब ग्रेटर नोएडा रेलवे स्टेशन के रूप में नई पहचान मिलेगी। यह देश का एक अत्याधुनिक मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब होगा, जो नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक होने से इसकी उपयोगिता और बढ़ जाएगी। यह पहला मौका होगा जब नोएडा के नाम से किसी बड़े रेलवे स्टेशन की स्थापना की जा रही है। रेलवे स्टेशन का विस्तार को दो चरणों में पूरा करने की योजना है। कुल 13 प्लेटफॉर्म वाले इस स्टेशन के पहले चरण में नौ प्लेटफॉर्म तैयार किए जाएंगे, जिनमें दो अप लाइन और सात डाउन लाइन के लिए होंगे।

भविष्य की जरूरतों को देखते हुए यहां वंदे भारत ट्रेनों के 20 रेक और एलएचबी ट्रेनों के 20 रेक की होल्डिंग क्षमता होगी। पहले चरण की शुरुआत के साथ ही यहां 115 ट्रेनों का ठहराव प्रस्तावित है, जिसमें लंबी दूरी की करीब 70 एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल होंगी, जिससे दिल्ली और आनंद विहार जैसे स्टेशनों पर दबाव काफी कम हो जाएगा। परियोजना की रेलवे से जुड़ी

फाइलों पर इसे ग्रेटर नोएडा स्टेशन ही लिखा जा रहा है।

भूमि का अधिग्रहण किया गया तेज

परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। पूरे प्रोजेक्ट के लिए कुल 200.84 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है। इसमें से अकेले रेलवे की जरूरतों के लिए 110.54 हेक्टेयर जमीन चाहिए, जबकि फिलहाल रेलवे के पास 55 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है। शेष भूमि की उपलब्धता होते ही निर्माण कार्यों में और तेजी आएगी। इस हब के विकसित स्टेट प्लान

इस मेगा प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की एजेंसी नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनआईसीडीसी) और राज्य सरकार की एजेंसी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड (आईआईटीजीएनएल) को सौंपी गई है। खास बात यह है कि इस पूरे प्रोजेक्ट की फंडिंग भी इन्हीं दोनों एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी। इस परिवहन केंद्र को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यात्रियों को एक ही छत के नीचे रेलवे, इंटर स्टेट बस टर्मिनल, लोकल बस टर्मिनल और रैपिड रेल की सुविधाएं मिल सकेंगी। उत्तर मध्य रेलवे ने स्टेशन का इंजीनियरिंग स्टेट प्लान (ईएसपी) बनाकर सबमिट कर दिया है।

एनसीआर प्रशासन ने प्रस्तावित रेलवे स्टेशन का इंजीनियरिंग स्टेट प्लान बनाकर उसे संबंधित एजेंसी को सबमिट कर दिया है। इस स्टेशन का नाम ग्रेटर नोएडा हो सकता है। – शशिकांत त्रिपाठी, सीपीआरओ, एनसीआर

प्रस्तावित योजना

– पहले चरण का निर्माण कार्य होने के बाद यहां पर लंबी दूरी की 33 ट्रेनों का ठहराव करने की है योजना।

– दूसरे चरण का काम पूरा होने के बाद यहां से रेलवे द्वारा लंबी दूरी व सबअर्बन समेत कुल 115 ट्रेनों का किया जाएगा संचालन।

– स्टेशन पर बिछाई जाएंगी कुल 33 लाइन, सिक लाइन एवं वॉशिंग लाइन की भी रहेगी व्यवस्था।

– 20–20 वंदे भारत एवं एलएचबी ट्रेनों के रेक खड़े रहने की रहेगी व्यवस्था।

– इस मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब की कुल लागत तकरीबन 5500 करोड़ रुपये है, रेलवे स्टेशन के निर्माण पर खर्च होंगे 1726 करोड़ रुपये।

हाईकोर्ट ने 710 न्यायिक अधिकारियों का किया तबादला, सभी को 15 अप्रैल तक कार्यभार ग्रहण करने का आदेश

प्रयागराज। रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह श्योरण की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, इनमें 265 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, 169 सिविल जज सीनियर डिवीजन स्तर के अधिकारी और 276 सिविल जज जूनियर डिवीजन स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रशासन ने वार्षिक स्थानांतरण नीति के तहत विभिन्न जिला न्यायालयों और आउटलेइंग कोर्ट में तैनात 710 न्यायिक अधिकारियों का तबादला कर दिया है। रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह श्योरण की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, इनमें 265 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, 169 सिविल जज सीनियर डिवीजन स्तर के अधिकारी और 276 सिविल जज जूनियर डिवीजन स्तर के अधिकारी शामिल हैं। आदेश दिया गया है कि सभी स्थानांतरित अधिकारी 15 अप्रैल तक नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर लें। रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह श्योरण की अधिसूचना के अनुसार प्रयागराज से स्थानांतरित अपर जिला व सत्र न्यायाधीशों में राम प्रताप सिंह राणा को सुल्तानपुर, रविकांत द्वितीय को आगरा, अनीता प्रथम को बदायूं, मनोज कुमार मिश्र द्वितीय को फतेहपुर स्थानांतरित किया गया है। वहीं, दिनेश कुमार गौतम को मोहम्मदी (लखीमपुर), प्रदीप कुमार चतुर्थ को आगरा, अपर्णा त्रिपाठी द्वितीय को महोबा, कॉमर्शियल टैक्स ट्रिब्यूनल के न्यायिक सदस्य राजीव रंजन को प्रतापगढ़, हाईकोर्ट में रजिस्ट्रार प्रशांत बिलगैया को लखनऊ, ज्वाइंट रजिस्ट्रार संदीप चौधरी व एडीजे सीमा सिंह प्रथम को गौतमबुद्ध नगर भेजा गया है। इसके अलावा बरेली में तैनात कुमार मयंक, गोरखपुर से पंकज श्रीवास्तव, कुशीनगर से शैलेंद्र मणि त्रिपाठी, लखनऊ से नीरज कुमार उपाध्याय, शाहजहांपुर से अभय प्रताप सिंह, अनुराधा पुंडीर व पंकज कुमार श्रीवास्तव को प्रयागराज भेजा गया है। मुजफ्फरनगर से निशांत सांगला को इलाहाबाद हाईकोर्ट में जॉइंट रजिस्ट्रार, बुलंदशहर से वरुण मोहित निगम व बलिया से ज्ञान प्रकाश तिवारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट में रजिस्ट्रार बनाया गया है। कौशाम्बी की शीरीन जैदी को लखनऊ व बृजेश कुमार यादव को बहराइच भेजा गया है। गोरखपुर से अशोक कुमार यादव चतुर्थ व शाहजहांपुर से नरेंद्र नाथ पांडेय, बिजनौर से प्रकाश चंद्र शुक्ल को कौशाम्बी भेजा गया है। प्रतापगढ़ में तैनात सुनीता सिंह नागौर को मिर्जापुर, अजय कुमार प्रथम व पारुल वर्मा को मेरठ भेजा गया है। वहीं, बांदा से छोटेलाल यादव व पीलीभीत से आतिफ शमीम प्रतापगढ़ स्थानांतरित किए गए हैं। सिविल जज सीनियर डिवीजन स्तर के न्यायिक अधिकारियों में प्रयागराज से शशि कुमार को इटावा, दीक्षा श्री को गौतमबुद्ध नगर, नीलम वर्मा को अंबेडकरनगर व प्रेम बहादुर सिंह को कसिया (कुशीनगर) भेजा गया है। आगरा से दीक्षा भारती, एटा से कामायनी दुबे, गरौठा (झांसी) से राम गोपाल यादव व देवरिया से शैलजा मिश्रा को प्रयागराज भेजा गया है।

एसआरएन अस्पताल के चिकित्सक की संदिग्ध दशा में मौत, परिजन कुछ बोलने से कर रहे इन्कार

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) हॉस्पिटल के चिकित्सक आदित्य की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। फिलहाल विसरा को सुरक्षित रख लिया गया है जिसे लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा। स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ.आदित्य की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। फिलहाल विसरा को सुरक्षित रख लिया गया है जिसे लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा। घटना को लेकर परिजन भी स्तब्ध हैं और वह इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। पोस्टमार्टम हाउस में पिता दिलीप और छोटा भाई दीपक दोनों मौजूद रहे। घटना को लेकर चिकित्सक भी हैरान हैं। चिकित्सक का अंतिम संस्कार दारागंज घाट पर किया जाएगा। दारागंज प्रयागराज के मूल निवासी डॉ. आदित्य जूनियर डॉक्टर थे। एसआरएन अस्पताल के सर्जरी डिपार्टमेंट में उनकी तैनाती दो साल पहले की गई थी। रविवार को ड्यूटी करके वह रात में घर चले गए थे। अचानक तबीयत खराब होने पर उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रात करीब डेढ़ बजे उनकी सांसें थम गईं। इससे अस्पताल में हड़कंप मच गई। घटना को लेकर अस्पताल के स्टाफ और चिकित्सकों के बीच तरह–तरह की चर्चाएं हैं। फिलहाल परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगया है।

रेस्टोरेंट में छापा, गोमांस की आशंका पर पुलिस ने चार को हिरासत में लिया

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के रोशन बाग स्थित एक चर्चित रेस्टोरेंट में कथित रूप से गोमांस से खाद्य पदार्थ तैयार किए जाने की सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर चार लोगों को हिरासत में लिया है। इस दौरान दुकान संचालिका समेत कई अन्य संदिग्ध मौके से फरार हो गए। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के रोशन बाग स्थित एक चर्चित रेस्टोरेंट में कथित रूप से गोमांस से खाद्य पदार्थ तैयार किए जाने की सूचना पर पुलिस ने छापा

मारकर चार लोगों को हिरासत में लिया है। इस दौरान दुकान संचालिका समेत कई अन्य संदिग्ध मौके से फरार हो गए।

विश्व हिंदू परिषद के गोरक्षा प्रांत मंत्री लाल मणि तिवारी ने पुलिस से शिकायत की थी कि रोशन बाग स्थित रेस्टोरेंट में काफी समय से गोमांस का इस्तेमाल कर कबाब व बिरयानी बना कर बेची जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया, जहां कथित रूप से गोमांस की बिरयानी से संबंधित रेट लिस्ट और मांस बरामद हुआ। इसपर पुलिस ने रेस्टोरेंट में काम कर रहे चार लोगों को हिरासत में ले लिया। डीसीपी सिटी मनीष शांडिल्य ने बताया कि विहिप के पदाधिकारियों की शिकायत पर रेस्टोरेंट में छापा मारा गया, जहां से संदिग्ध मांस बरामद हुआ। जांच के लिए मांस को प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। पूछताछ के लिए चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। कुछ अन्य लोग मौके से भाग निकले। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अनधिकृत किताबों पर सख्ती, 15 अप्रैल तक चलेगा जांच अभियान

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने स्कूलों में अनधिकृत किताबों और गाइड के प्रचलन पर सख्त रुख अपनाया है। परिषद के निर्देश पर प्रदेश भर के स्कूलों में 15 अप्रैल तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने स्कूलों में अनधिकृत किताबों और गाइड के प्रचलन पर सख्त रुख अपनाया है। परिषद के निर्देश पर प्रदेश भर के स्कूलों में 15 अप्रैल तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान किताबों की उपलब्धता, गुणवत्ता और निर्धारित प्रकाशकों की पुस्तकों की बिक्री की जांच की जाएगी। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस) को निर्देश दिए हैं कि यदि कोई स्कूल संचालक या प्रधानाचार्य छात्रों को अनधिकृत पुस्तकें या गाइड खरीदने के लिए बाध्य करता है तो उसके खिलाफ इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम 1921 के विनियम–18 के तहत कड़ी कार्रवाई करें।

शैक्षिक सत्र 2026–27 के लिए हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 36 विषयों की एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों को प्रदेश के राजकीय, सहायता प्राप्त एवं स्ववित्त पोषित विद्यालयों में लागू किया गया है। कक्षा नौ से 12 तक हिंदी, संस्कृत और उर्दू की चयनित 12 पुस्तकों को भी सस्ते दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। सचिव ने अभिभावकों को जागरूक करने और छात्रों को आसानी से पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए 15 अप्रैल तक सभी जिलों में पुस्तक जागरूकता एवं सुलभता शिविर/पुस्तक मेला आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इन मेलों में अधिकृत मुद्रकों पायनियर प्रिंटर्स (आगरा), पीतांबरा बुक्स (झांसी) और सिंघल एजेंसीज (लखनऊ) की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। परिषद ने स्पष्ट किया है कि पाठ्यपुस्तकों का कॉपीराइट उसके पास है। ऐसे में पायरेसी या डुप्लीकेसी कर नकली किताबें बेचने वाले अनधिकृत मुद्रकों और दुकानदारों के खिलाफ पुलिस, वाणिज्य कर, आयकर और प्रशासन के साथ समन्वय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एनसीईआरटी की कॉपीराइट शर्तों के उल्लंघन पर कॉपीराइट एक्ट के तहत भी कार्रवाई होगी।

घर में शादी है तो सिलिंडर के लिए अभी से करें आवेदन, लगाना होगा शादी का कार्ड और आधार

प्रयागराज। खरमास खत्म होने के साथ ही 15 अप्रैल से वैवाहिक कार्यक्रम शुरू होने जा रहे हैं। घर में मेहमान इकट्ठा होंगे और उनके लिए नाश्ते व भोजन की व्यवस्था करनी होगी। ऐसे में एक या दो सिलिंडर से काम नहीं चलेगा। अतिरिक्त की जरूरत है तो अभी से जिला पूर्ति कार्यालय में आवेदन कर दें, ताकि आवेदन गैस कंपनी के प्लांट को भेजा जा सके। खरमास खत्म होने के साथ ही 15 अप्रैल से वैवाहिक कार्यक्रम शुरू होने जा रहे हैं। घर में मेहमान इकट्ठा होंगे और उनके लिए नाश्ते व भोजन की व्यवस्था करनी होगी। ऐसे में एक या दो सिलिंडर से काम नहीं चलेगा। अतिरिक्त की जरूरत है तो अभी से जिला पूर्ति कार्यालय में आवेदन कर दें, ताकि आवेदन गैस कंपनी के प्लांट को भेजा जा सके। जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह का कहना है कि जिनके घर में कार्यक्रम हैं, वे आवेदन उनके कार्यालय में दे सकते हैं।

चौक मंडल कार्यालय में मनाया गया भाजपा का स्थापना दिवस

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर चौक मंडल कार्यालय पर संगोष्ठी का कार्यक्रम रखा गया संगठन के विचारों को बताया गया भारतीय जनता पार्टी की

स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुआ था इस अवसर पर आज चौक मंडल के कार्यालय में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मंडल के अध्यक्ष सुमित वैश्य जी मंडल महामंत्री मनमोहन मिश्रा मंडल उपाध्यक्ष धीरज केसरवानी अनूप मिश्रा पंडित राजेश केसरवानी रामजी हेला सोशल मीडिया प्रभारी शाश्वत मिश्रा मयंक अग्रवाल राजकुमार केसरवानी मासूम अब्बास नकवी गुलाम कादिर सुमित गुप्ता उत्कर्ष रोशनी अग्रवाल राजेश शर्मा रेनू चौरसिया रचना श्रीवास्तव सीताराम चौरसिया अजय श्रीवास्तव अमित गुप्ता मुन्ना केसरवानी गांधी योगेश चौरसिया रत्नेश यादव विकास द्विवेदी सौरभ शर्मा संतोष जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे उपरोक्त जानकारी अरविन्द पाण्डेय मीडिया प्रभारी चौक मंडल ने दी।

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में सुंदरकांड पाठ किया गया काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई अप्रैल माह की काव्य गोष्ठी हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन में काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न।

कार्यक्रम अध्यक्ष उमा.मिश्रा 'प्रीति' की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि डॉ शशिकला अवस्थी काव्य गोष्ठी का शुभारंभ

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और गणेश की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। गणेश वंदना आशा जाकड़ के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन आशा जाकड़ ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर कांड के दोहोंकी प्रस्तुति दी। शोभारानी तिवारी ,प्रभा तिवारी ,डॉ शशि निगम, संतोष तोषनीवाल,श्रुति चौधरी, ऊषा.यादव,सुषमा खरे, प्रेरणा सेन्द्रे,सीता शाह, प्रिया शाह, राखी सावलानी और मनीषा. मोदी आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। आशा जाकड़ ने धन्यवाद ज्ञापन ने किया।

करियर इन ज्योग्रफी व्याख्यान का सफल आयोजन

प्रयागराज। सी.एम.पी.डिग्री कॉलेज में करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल और भूगोल विभाग द्वारा करियर इन ज्योग्रफी व्याख्यान का सफल आयोजन सोमवार छह अप्रैल 2026 को जियोग्राफी लैब मैनकैंपस में अपराह्न साढ़े बारह से डेढ़ बजे तक किया गया। यह कार्यक्रम ब ए प्रथम वर्ष के छात्र छात्राओं के लिए नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉक्टर अर्चना राजे असिस्टेंट प्रोफ़ेसर भूगोल विभाग ने विद्यार्थियों को भूगोल में रोज़गार के बेहतरीन अवसर के बारे

में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस.,पर्यावरण प्रबंधन और मैपिंग जैसे क्षेत्रों में सरकारी और निजी नौकरियां कैसे पा सकते हैं किस प्रकार से छात्र छात्राएँ काटोग्राफर, अरबन प्लानर, शिक्षक, आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ बन सकते हैं। महाविद्यालय के मुख्य संरक्षक चौधरी राघवेन्द्रनाथ सिंह की अध्यक्षता और प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे के कुशल निर्देशन में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।इस कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रुचिका वर्मा समन्वयक करियर काउंसलिंग प्लेसमेंट सेल द्वारा किया गया ।कार्यक्रम में करियर काउंसलिंग सेल के सदस्य डॉक्टर प्रणय कांत विश्वास भूगोल विभाग की समन्वयक प्रोफ़ेसर अर्चना त्रिपाठी ,डॉक्टर आर.सी.सिंह तथा डॉक्टर उत्तरा सिंह उपस्थित रहे ।महाविद्यालय के छात्र छात्राओं की भारी संख्या में उपस्थिति रही ।छात्रों की जिज्ञासा और उत्साह सराहनीय रही।

एयरटेल ने पूर्वी यूपी में 4300 से अधिक नई 5जी साइट के साथ अपने नेटवर्क का किया विस्तार

लखनऊ दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने एक वर्ष में पूर्वी उत्तर प्रदेश में 4300 से अधिक नई 5जी साइट स्थापित करके अपने नेटवर्क का विस्तार किया है। कंपनी बयान के मुताबिक, पूर्वी उत्तर प्रदेश के सभी 48 जिलों में यह विस्तार किया गया।

जैन विद्यालय प्रयाग का वार्षिक रिजल्ट तथा पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

प्रयागराज। जैन विद्यालय प्रयाग के वर्ष २०२५–२६ का वार्षिक रिजल्ट तथा पुरस्कारों का वितरण जीरो रोड स्थित जैन विद्यालय प्रांगण में सपन्न हुआ। विद्यालय के बच्चो ने बैंड बजा कर इस आयोजन के मुख्य अतिथि प्रयागराज के महापौर माननीय श्री उमेश चंद्र गणेश केशरवानी जी का स्वागत किया। मंच पर श्री प्रद्यम्न जैन द्वारा महापौर जी का तिलक लगा कर और शाल के साथ अभिनन्दन किया गया। श्री दिनेश कुमार जैन अध्यक्ष जैन पंचायती सभा, राजेश जैन (महामंत्री), अखिलेश जैन ने माला पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित श्री सचिन मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा बी जे पी का भी तिलक, माला और शाल पहना कर स्वागत किया गया। विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती मृदुला जैन, प्रधानाचार्य माधुरी जैन ने अतिथियों को मोमेंटो और फूलों का गुलदस्ता प्रदान किया।

महापौर जी ने करकमलों द्वारा सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी, अलग अलग क्लास व विषयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थियों को रिजल्ट के साथ पुरस्कार भी बितरित किया। इसके साथ ही उन्होंने पुरे विद्यालय का बड़ी रूचि के साथ निरिक्षण किया। यहाँ की शिक्षा प्रदान करने की प्रणाली के बारे में शिक्षिकाओं से बात किय। यहाँ इसी वर्ष शुरू हुए बचपन प्ले स्कूल द्वारा खेल खेल के साथ छोटे बच्चो को दी जाने वाली प्रारंभिक शिक्षा व संस्कारो के बारे में गंभीरता से जानकारी ली और सराहना किया।

आज पास हो कर अगली क्लास में जाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए महापौर जी कहा कि जैन विद्यालय में एक अच्छे वातावरण, सुन्दर परिवेश और अनुभवी शिक्षिकाओं के संरक्षण में बच्चो में निरूपित किये जा रहे संस्कार और प्रारंभिक शिक्षा द्वारा अच्छे नागरिक और देश के भविष्य का निर्माण हो रहा है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधसमित को अच्छे प्रबंध के लिए और सभी अभिवावको को सहयोग के किये बधाई दी।

विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा जरूरतमंद बच्चो की मदद करने वाले समाज के सभी सहयोगियों का सम्मान किया गया और धन्यवाद दिया गया–

पुरस्कार वितरण के इस अवसर पर श्री राजीव जैन, डॉ सुनील जैन, राहुल अग्रवाल, अनुरोध जैन, शेखर जैन, दिलीप जैन, डॉली जैन, साधना जैन, निरुबाला जैन, दीपा जैन आदि गढ़मान्य लोग उपस्थित रहेस

मेगा चिकित्सा शिविर ने अत्तिली के ग्रामीणों को छिपे स्वास्थ्य जोखिमों से अवगत कराया

अत्तिली, (पश्चिम गोदावरी)। विश्व होम्योपैथी सप्ताह 2026 के छठे दिन, डॉ. सैमुअल हैनिमैन की 271वीं जयंती के अवसर पर, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज (एएसआरएचएमसी) ने उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट (यूएआरडीटी) के सहयोग से, एटिली में अपने परिधीय ओपीडी में एक उच्च प्रभाव निदान और जागरूकता शिविर का आयोजन किया। ष्साइलेंट किलर्स – स्वीट पिल्सरू द सॉल्यूशनष विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में छिपी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की जांच के लिए जनता की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी गई।

मूक हत्यारों के खिलाफ लड़ाई

शिविर के दौरान प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने एक सशक्त संदेश दिया, जिसमें कहा गया कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायराइड विकार, मोटापा और हड्डियों की कमजोरी जैसी स्थितियां आधुनिक समाज के लिए सच्चे मूक हत्यारे हैं। ये चयापचय संबंधी बीमारियाँ अक्सर वर्षों तक पता नहीं चलतीं और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएँ पैदा करने के बाद ही सामने आती हैं।

डॉ. कुमार ने कहा, ष्इन शिविरों का मिशन तीन स्तंभोंरू जागरूकता, सटीक जांच और वैज्ञानिक होम्योपैथिक उपचार चयन के माध्यम से इन मूक हत्यारों को एक व्यापक समाधान प्रदान करना है।ष उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) ने होम्योपैथी को लोगों के करीब लाने के लिए इस सप्ताह का उपयोग करके

एक दूरदर्शी कदम उठाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि होम्योपैथी कई क्षेत्रों में उपचार के लिए महत्वपूर्ण गुंजाइश प्रदान करती है जहां चिकित्सा की अन्य प्रणालियों की सीमाएं हो सकती हैं, जिससे ठोस परिणाम मिलते हैं जो जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं।

अत्तिली शिविर का एक प्रमुख आकर्षण बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) परीक्षण था, जो फोरट्र्स हर्बो मिनरल्स के विशेष समर्थन से निःशुल्क आयोजित किया गया था। यह मानते हुए कि बीएमडी परीक्षण आम तौर पर एक महंगी निदान प्रक्रिया है, कॉलेज ने निवासियों को उनकी हड्डियों के स्वास्थ्य को समझने और ऑस्टियोपोरोसिस के खिलाफ प्रारंभिक निवारक कदम उठाने में मदद करने के लिए यह स्क्रीनिंग प्रदान की।

हड्डियों के स्वास्थ्य के अलावा, बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों के लिए व्यापक रक्त परीक्षण किए गए, जिनमें थायराइड प्रोफाइल, एचबीए1सी (औसत रक्त शर्करा), और लिपिड प्रोफाइल शामिल थे। इसके अलावा, महत्वपूर्ण हड्डी या चयापचय संबंधी कमियों वाले रोगियों की पहचान की गई और उन्हें स्वास्थ्य लाभ की दिशा में तत्काल शुरुआत सुनिश्चित करने के लिए विटामिन डी की खुराक की एक महीने की आपूर्ति प्रदान की गई।

शिविर को छात्रों और प्रशिक्षुओं के एक बड़े समूह ने ऊर्जावान बनाया, जिन्होंने घर–घर जाकर एक जीवंत जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने जानकारीपूर्ण साहित्य वितरित किया और समुदाय को शिक्षित किया कि ये विशिष्ट चिकित्सा सेवाएं एएसआरएचएमसी के अत्तिली पेरिफेरल ओपीडी में उपलब्ध रहेंगी। डॉ. कुमार ने जनता से गहन देखभाल या दीर्घकालिक नैदानिक प्रवेश की आवश्यकता वाले लोगों के लिए प्रथीपाडु, ताडेपल्लीगुडेम में मुख्य एएसआरएचएमसी परिसर में इन–पेशेंट डिपार्टमेंट (आईपीडी) सुविधाओं का उपयोग करने का भी आग्रह किया। शिविर का नेतृत्व चिकित्सा विशेषज्ञों की एक प्रतिष्ठित टीम ने किया, जिनमें शामिल हैंरूप्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली,प्रोफेसर कदाली श्रीनिवास,डॉ अरुणा कुमारी,डॉ. ममता तेजस्विनी और डॉ. आर. प्रियंका।

संकाय को समर्पित प्रशिक्षुओं, छात्रों और यूएआरडीटी स्वयंसेवकों द्वारा समर्थित किया गया जिन्होंने समुदाय को अथक सेवा प्रदान की। डायग्नोस्टिक मिशन कल, 7 अप्रैल को ताडेपल्लीगुडेम में एएसआरएचएमसी परिसर में अंतिम मेगा स्क्रीनिंग ड्राइव के साथ जारी रहेगा।

स्टार्ट अप के लिए विचार और उत्पाद स्पष्ट तथा शुरुआती लागत कम होनी चाहिए

–भविष्य में स्टार्टअप ही भारत की युवा शक्ति को रोजगार दे सकती हैं

–भारत को सर्विस आधारित स्टार्टअप से आगे बढ़कर तकनीक आधारित स्टार्टअप पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए

प्रयागराज। इविंग क्रिस्चियन कॉलेज के बायोफिजिक्स सेंटर में ष्इंडस्ट्री कनेक्टष कार्यक्रम के अंतर्गत युवा उद्यमी, जेनेरस ग्रुप के सीईओ, डॉ पीयूष सिंह ने विद्यार्थियों से अपने स्टार्टअप और उसकी यात्रा को साझा करते हुए कहा कि किसी स्टार्ट अप को शुरू के लिए आपका विचार और उत्पाद बहुत ही स्पष्ट होना चाहिए तथा शुरुआती लागत कम होनी चाहिए। इससे स्टार्टअप को आर्थिक सहयोग मिलना आसान होता है। डॉ पीयूष ने सरकारी नौकरी से स्टार्टअप की तुलना को अर्थहीन बताते हुए कहा कि भविष्य में स्टार्टअप ही भारत की युवा शक्ति को रोजगार दे सकती हैं। भारत को सर्विस आधारित स्टार्टअप से आगे बढ़कर तकनीक आधारित स्टार्टअप पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने इच्छुक विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के लिए आमंत्रित किया। भारतीय विज्ञान संस्थान से बायोटेक्नोलॉजी में एमएससी एवं पीएचडी डॉ पीयूष ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया एवं यूनिवर्सिटी ऑफ हार्वर्ड में कॉमनवेल्थ फेलो के रूप में कार्य किया है और इन्हें बिल एंड मिलिंडा गेट्स पुरुस्कार एवं सार्क पुरुस्कार सहित कई सारे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरुस्कार प्रदान किये गए हैं। डॉ पीयूष ने बताया कि एमएससी के दौरान ही अपना स्टार्टअप खोलने की

योजना बना ली थी और उन्होंने अपने द्वारा डिज़ाइन किये गए बायोमॉलिक्यूल्स (जैविक अणुवों) को उत्पाद के रूप में लाने की योजना पर कार्य किया। इसी के परिणाम स्वरूप अपना पहला स्टार्टअप स्काईरा एग्रो लिमिटेड और फिर जेनेरस ग्रुप प्रारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो अशोक कुमार पाठक एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ साई कुमार चिरा ने किया।

बुन रही गोरी सपने

(छप्पय)

अप्रितम भाव–सुगन्ध भरे अंतस में अपने।
दो नयनो के बीच बुन रही गोरी सपने।
सरिता प्रेम–प्रवाह मिलन की रख अभिलाषा।
गढ़ती है नव शब्द और चुप्पी की भाषा।
नदियाँ भी प्यासी दिखी, सागर भी प्यासा दिखा।
चाहत की यह प्यास है चुपके से दिल ने लिखा।।

धारण करके मौन पार कर सभी झमेले।
लाखों की है भीड़ मगर वे रहे अकेले।
आँखे गढ़ती शब्द कहानी दिल है लिखता।
इक–दूजे की बात उसी में गढ़ता रहता।
प्रेम इबादत की तरह ख़ामोशी के साथ में।
रिश्तों का सम्मान कर रहते हैं विश्वास में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जबलपुर इकाई की काव्य गोष्ठी हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

जबलपुर । शहर समता विचार जबलपुर इकाई की अप्रैल माह की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में सफलता पूर्वक संपन्न। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना , मुख्य अतिथि छाया त्रिवेदी विशिष्ट अतिथि डा.

राजलक्ष्मी शिवहरे अर्चना मलैया सारस्वत अतिथि डा कामना कौस्तुभ सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति कृष्णा राजपूत द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन अनीता दुबे एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं छाया सक्सेना। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। आरती शर्मा, गायत्री चौबे,मंजूषा किंजवडकर ,राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, जय श्रीकांत ,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला , कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन अनीता दुबे ने किया।

लखनऊ के पियूष शर्मा ने राज्य पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

लखनऊ। शहर का नाम रोशन करते हुए लखनऊ जनपद के पियूष शर्मा ने 3 से 5 अप्रैल 2026 तक आगरा स्थित ।ब्डम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित राज्य पावरलिफ्टिंग चौंपियनशिप में मास्टर–2 (105 किग्रा) वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। अपनी उत्कृष्ट शक्ति, अनुशासन और निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए पियूष ने पूरे प्रदेश से आए मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया। यह जीत उनके खेल जीवन की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो पावरलिफ्टिंग एवं अन्य खेलों में उनके पहले से ही प्रभावशाली रिकॉर्ड में जुड़ गई है। खेल के साथ–साथ पियूष शर्मा एक वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में त्मसपंदबम श्रपव में कार्यरत हैं, जहां वे न्च क्षेत्र के संचालन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत उन्हें अलग पहचान दिलाती है। उन्होंने अपने व्यस्त कॉर्पोरेट जीवन और खेल के प्रति जुनून के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित किया है।

अपनी जीत के बाद बातचीत में पियूष ने अपने वरिष्ठ प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसा सहयोगात्मक वातावरण व्यक्तियों को अपने पेशेवर कार्यों के साथ–साथ अपने जुनून में भी उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करता है। राज्य स्तर पर इस उपलब्धि के साथ अब उनका चयन आगामी राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चौंपियनशिप के लिए सुनिश्चित हो गया है, जहां वे अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए प्रदेश का नाम और ऊंचा करने का लक्ष्य रखते हैं। पियूष शर्मा की यह सफलता युवा खिलाड़ियों और कामकाजी पेशेवरों के लिए एक प्रेरणा है, जो यह दर्शाती है कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और सही सहयोग मिलने पर व्यक्ति एक साथ कई क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है।

माध्यमिक शिक्षकों का प्रदर्शन, बोले, चयन आयोग ने हमें असुरक्षित किया

लखनऊ, संवाददाता। शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के बाद जब शिक्षा सेवा चयन आयोग बना तो उसने हम शिक्षकों की सुरक्षा छीन ली। अब विद्यालय के प्रबंधकों को हमारा शोषण करने की खुली छूट मिल गई है। वे झूठे आरोप लगाते हैं और सस्पेंड कर देते हैं। चयन बोर्ड से आयोग बनने के बाद हमारी सुरक्षा के नियम हट गए। आयोग ने हमें असुरक्षित किया।

सरकार इन नियमों को जोड़े, नहीं तो हमारी नौकरी और सामाजिक जीवन खतरे में होगा। यह कहना है माध्यमिक शिक्षकों का। वे सोमवार को लखनऊ के इको गार्डन में करीब 700 की संख्या में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के बैनर तले इकट्ठा हुए। प्रदेशभर से आए शिक्षकों ने चयन आयोग के नियमों में शिक्षकों की सुरक्षा की धारा जुड़वाने के साथ 25 अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

सम्पादकीय.......

नौकरियां गंवाने की चिंता और मानसिक स्वास्थ्य की पुकार

बेंगलुरु, जिसे भारत की आई.टी. राजधानी के नाम से भी जाना जाता है, पिछले दिनों एक ऐसी घटना से हिल गया, जो न केवल दिल दहला देने वाली है, बल्कि पूरे समाज को सोचने पर मजबूर कर देती है। गत 31 मार्च को कोठानूर इलाके के एक हाई–राइज अपार्टमैंट में एक युवा तकनीकी जोड़ी ने आत्महत्या कर ली। पति भानुचंद्र रैड्डी (32) और पत्नी बीबी शाजिया सिराज (31), दोनों सॉफ्टवेयर इंजीनियर, दोनों की कमाई लाखों में, अमरीका में काम का अनुभव, 80 लाख का सालाना पैकेज और सफलता की सारी बाहरी निशानियां। लेकिन अंदर से, नौकरी खोने का भय और बढ़ता तनाव। ठीक उसी दिन, जब वैश्विक स्तर पर ए.आई. की वजह से आई.टी. सैक्टर में भारी छंटनी की खबरें आ रही थीं, भानुचंद्र अमरीका में काम कर रहे थे। ए.आई. टूल्स के कारण उनकी टीम में छंटनी हुई और उनकी नौकरी चली गई। भारत लौटकर वह नई नौकरी की तलाश में लगे लेकिन असफल रहे। चिंता ने उन्हें घेर लिया। स्वास्थ्य बिगडने लगा। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने यही लिखा, ''नौकरी की अनिश्चितता और लगातार दबाव।'' पत्नी शाजिया आई.बी.एम. में नाइट शिफ्ट कर रही थीं। सुबह 7.30 बजे घर लौटीं तो पति का कमरा अंदर से बंद था। सुरक्षा गार्ड ने दरवाजा तोड़ा तो भानुचंद्र फांसी पर लटक रहे थे। शाजिया ने 20 मिनट तक वह दृश्य देखा। फिर वह अचानक 18वें फ्लोर पर पहुंचीं और वहां से नीचे कूद गईं। यह घटना ए.आई. क्रांति की उस काली साइड की प्रतीक है, जो कल तक 'भविष्य की तकनीक' मानी जा रही थी। ठीक उसी दिन, 31 मार्च 2026 को, अमरीकी सॉफ्टवेयर दिग्गज ओरेकल ने हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कंपनी ए.आई. डाटा सैंटर बनाने के लिए भारी निवेश कर रही है। 2026 में 500 करोड़ डॉलर से ज्यादा का कैपिटल निवेश भी किया। लेकिन इस खर्च को पूरा करने के लिए उसने लागत घटाने का फैसला किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 20,000–30,000 तक कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। ओरेकल अकेली नहीं। 2026 में ए.आई. की वजह से बिग टैक की छंटनी की लहर चल रही है। अमेजन ने जनवरी में 16,000 कॉर्पोरेट जॉब्स काटे। माइक्रोसॉफ्ट ने पिछले साल 15,000 पद घटाए। मेटा, एटलासियन, ब्लॉक आदि सभी कंपनियां ए.आई. के नाम पर कर्मचारियों को 'रिडंडेंट' बता रही हैं। भारत में भी आई.टी. सैक्टर में 2017 से अब तक 227 से ज्यादा सुसाइड केस दर्ज हुए हैं। एन.सी.आर.बी. के 2023 के आंकड़ों के अनुसार कुल 1,71,418 आत्महत्याएं हुईं, जिनमें युवा प्रोफैशनल्स (25–40 साल) की संख्या सबसे ज्यादा हैं। बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे जैसे हर शहर में ए.आई. छंटनी का डर युवाओं को घेर रहा है। समस्या सिर्फ नौकरी चले जाने की नहीं, समस्या उस चिंता की भी है, जो ए.आई. के नाम पर पैदा हो रही है। ए.आई. टूल्स कोडिंग, डाटा एनालिसिस, यहां तक कि सॉफ्टवेयर डिजाइन में इंसानों से बेहतर साबित हो रहे हैं। कंपनियां सोच रही हैं कि 'कम लोगों से ज्यादा काम'। लेकिन कर्मचारी? उनके लिए यह जीवन–मरण का सवाल बन गया है। ई.एम.आई., लोन, परिवार की जिम्मेदारी, सब कुछ एक नौकरी पर टिका है। जब नौकरी चली जाती है, तो चिंता डिप्रैशन में बदल जाती है और समाज? हम अभी भी इसे 'व्यक्तिगत कमजोरी' मानते हैं। सरकार, कॉर्पोरेट और समाज को मिलकर काम करना होगा। स्कूल–कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य के साथ–साथ आध्यात्मिक शिक्षा भी शामिल करें। मीडिया आत्महत्या की खबरों को संवेदनशील तरीके से कवर करे। परिवारों में खुली बातचीत का माहौल बने। बेंगलुरु की यह त्रासदी और ओरेकल जैसी कंपनियों की छंटनी हमें चेतावनी दे रही है। ए.आई. भविष्य है लेकिन बिना मानवता के नहीं। जब हम मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक बीमारी की तरह देखेंगे, जब अस्पतालों की तरह साइकोलॉजिकल सैंटर्स हर जगह होंगे और जब आध्यात्मिक मार्गदर्शन हमें अंदर से मजबूत करेगा, तब ही हम इस दबाव को पार कर पाएंगे। समय आ गया है कि हम बदलें। शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को एक साथ देखें। तभी एक स्वस्थ, सशक्त और संतुलित भारत बनेगा।

भ्रष्टाचार पर नकेल कस बालेन नई छवि बनाने की कोशिश में

यशोदा श्रीवास्तव

नेपाल की बालेन सरकार एक साथ कई मोर्चों पर लड़ रही है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों से खुली जंग के साथ सफेदपोश अपराधियों के खिलाफ भी मोर्चा खोल दिया है। इस बीच बालेन सरकार के वित्त मंत्री स्वर्णम बाग्ले की काठमांडू में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात भी चर्चा में है। इस मुलाकात की चर्चा इसलिए भी मायने रखती है क्योंकि यह परंपरा से थोड़ी हटकर थी। परंपरा यह रही है कि जब भी नेपाल में सत्ता परिवर्तन होता है तो सर्वप्रथम भारतीय राजदूत से पहली मुलाकात विदेश मंत्री अथवा प्रधानमंत्री की होती थी। यद्यपि भारतीय राजदूत और नेपाल के वित्त मंत्री की यह मुलाकात बेहद गोपनीय रही, फिर भी इस मुलाकात के तरह–तरह के मायने निकाले जाने लाजिमी हैं। इस मुलाकात की एक बात यह भी हो सकती है कि चुनाव में भारत ने नेपाल को भारतीय 800 करोड़ की अनुदान राशि उपलब्ध कराई थी। जहां तक बालेन सरकार के भ्रष्ट राजनेताओं पर शिकंजा कसने की बात है तो वह केवल के.पी. शर्मा ओली, रमेश लेखक, महेश बस्नेत और पूर्व ऊर्जा मंत्री की गिरफ्तारी तक ही सीमित नहीं है। एमाले के अन्य नेता भी निशाने पर हैं। नेपाली कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी आरजू राणा सहित इस पार्टी के अन्य नेता भी भ्रष्टाचार के आरोप से घिरे हुए हैं। माओवादी केंद्र के अध्यक्ष पूर्व पी.एम. प्रचंड और पूर्व पी.एम. बाबू राम भट्टराई पर भी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। पूर्व पी.एम. शेर बहादुर देउबा सपत्नी अभी भारत में थे, अब उनके थाइलैंड में होने की चर्चा है, शायद किसी बीमारी के इलाज के सिलसिले में। ऐसा माना जा रहा है कि कुछ नेपाली नेता भारत में छुपे हैं। भारतीय राजदूत और नेपाली वित्त मंत्री के बीच मुलाकात में यह भी चर्चा का विषय हो सकता है। बालेन सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम में जिलाधिकारी स्तर के एकाध नेपाली अफसर भी सलाखों के पीछे हुए हैं। इसके बाद अभी मनी लांड्रिंग मामले में जो एक बड़े व्यवसायी की गिरफ्तारी हुई है, उससे व्यवसाय की आड़ में अवैध तरीके से धन अर्जन का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इससे काठमांडू अथवा नेपाल में कहीं भी व्यवसाय की आड़ में लूट–खसूट करने वाले सफेदपोशों में दहशत फैल गई है। गिरफ्तार किए गए दीपक भट्ट नाम के व्यवसायी की जो पृष्ठभूमि सामने आई है वह काफी चौंकाने वाली है। यह कि नेपाल जैसे छोटे देश में भी भ्रष्टाचार की जड़ें इतने गहरे तक हैं। नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा के चुनाव क्षेत्र डोडुलधुरा के रहने वाले दीपक भट्ट का संबंध नेपाली कांग्रेस के नेताओं के अलावा हर पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्रियों से काफी निकट के रहे हैं। एक से बढ़कर एक काले कारनामों से लैस इस व्यवसायी की जब कुंडली खंगाली गई तो प्याज के छिलके की तरह भ्रष्टाचार से जुड़े उसके ढेर सारे कारनामें सामने आने लगे। इनमें एक तो यह भी कि डाक्टर बाबू राम भट्टराई से उसके तार बहुत मजबूती से जुड़े हुए थे, जब वह प्रधानमंत्री थे। बाबूराम भट्टराई से उसकी मुलाकात सत्तारूढ़ दल के एक सांसद ने कराई थी, जब वह नेपाली कांग्रेस में थे। डाक्टर बाबू राम भट्टराई बहुत ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री नहीं रहे लेकिन जितने दिन भी थे, सत्ता के गलियारे में दीपक भट्ट की तूती बोलती थी। दीपक भट्ट ने अपनी एक कंपनी के मार्फत बड़ा व्यावसायिक साम्राज्य खड़ा कर लिया था। नेपाल पुलिस को हथियार सप्लाई की दलाली में भी इसके हाथ सने हुए पाए गए। 44 वर्षीय दीपक भट्ट काठमांडू के सानेपा क्षेत्र में रहता है। काठमांडू का यह क्षेत्र दिल्ली के लुटियंस जोन की तरह चच्चत राजनीतिक गलियारा है। यहां राजनीतिक दलों के कार्यालय और नेताओं के आवास हैं।

सीमा वर्णिका की कलम से

'जिम्मेदार कौन'

पत्नी का दाह संस्कार करके लौटे रमाशंकर वृद्धाश्रम के बाहर पड़ी बेंच पर बैठ गए। जिंदगी उनकी आँखों में रील की तरह घूम रही थी।

'आखिर कौन है जिम्मेदार पार्वती की असमय मौत का,' रमाशंकर जी मन में उठ रहे सवालों में उलझे थे।

'वह बेटा जिसे घर का चिराग बनाकर एक अनाथ आश्रम से गोद लिया था या उनका आत्मसम्मान जिसकी खातिर घर छोड़ा,' वह और उलझते जा रहे थे।

सब कुछ छोड़ कुछ समय से वृद्धाश्रम में पार्वती के साथ आकर रहने लगे थे। यहाँ संसाधन भले कम थे, पर जिंदगी कट रही थी।

'आखिर कहाँ तक कितना सहते हैं बहू बेटे के ताने। प्राइवेट नौकरी के कारण पेंशन भी नहीं मिली आर्थिक भार भी पड़ रहा था बहू बेटे पर ।

पार्वती ने भी शायद इसी वजह से अपनी तकलीफ को उजागर नहीं होने दिया। नतीजतन असमय काल का ग्रास बन गई,' रमा शंकर जी की आँखों से ऑसू की धारा बह निकली।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

बदलते परिवेश में स्वास्थ्य चुनौतियां

– महेन्द्र तिवारी

विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को मनाया जाता है, जो न केवल स्वास्थ्य के प्रति चेतना जगाने का कार्य करता है, बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को भी प्रेरित करता है। इस विशेष दिन की नींव 7 अप्रैल 1948 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के साथ रखी गई थी, और इसे आधिकारिक रूप से पहली बार 1950 में मनाया गया। वर्ष 2026 में, जब दुनिया तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है, विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम "ज्वहमजीमत वित ीमंसजी.ˋजंदक ूपजीˋबपमदबम" यानी ष्वास्थ्य के लिए एकजुट। विज्ञान के साथ खड़े रहेंष निर्धारित की गई है। यह थीम एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर हमारे सामने आई है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी सूचनाओं, मिथकों और वैज्ञानिक तथ्यों के बीच एक निरंतर संघर्ष देखा गया है। यह विषय हमें इस बात के लिए प्रोत्साहित करता है कि हम अपने जीवन और स्वास्थ्य के प्रति निर्णय लेते समय भावनाओं या अफवाहों के बजाय साक्ष्य–आधारित विज्ञान को आधार बनाएं। विज्ञान ही वह प्रकाश है जिसने मानवता को सबसे अंधेरे समय में रास्ता दिखाया है, और 2026 का यह अभियान इसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने की एक सशक्त पुकार है।

इतिहास देखें तो वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग की यात्रा 19वीं शताब्दी के मध्य में शुरू हुई थी। वर्ष 1851 में पेरिस में आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय स्वच्छता सम्मेलन इस दिशा में पहला बड़ा कदम था, जिसका उद्देश्य हैजा जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रसार को रोकना था। इसके बाद 1902 में पैन–अमेरिकन सैनिटरी ब्यूरो और 1907 में ऑफिस इंटरनेशनल डीश्हाइजीन पब्लिक जैसे संगठनों ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग की नींव को और मजबूत किया। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के बाद जब संयुक्त राष्ट्र का गठन हुआ, तब यह महसूस किया गया कि एक ऐसी वैश्विक संस्था की आवश्यकता है जो बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के पूरी मानवता के स्वास्थ्य की रक्षा कर सके। परिणामस्वरूप, 1946 में न्यूयॉर्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन में विश्व स्वास्थ्य संगठन के संविधान पर 61 देशों ने हस्ताक्षर किए और अंततः 7 अप्रैल 1948 को यह संगठन अस्तित्व में आया। वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देश हैं, जो दुनिया भर में ष्मंसजी वित ।ससष के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सबसे बड़ी सफलता 1980 में चेचक ˋ(उंससचव•) का वैश्विक उन्मूलन रही है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि यदि दुनिया विज्ञान के साथ एकजुट होकर खड़ी हो, तो किसी भी असाध्य बीमारी को जड़ से मिटाया जा सकता है। इसके अलावा, पोलियो के मामलों में 99 प्रतिशत से अधिक की कमी, एचआईवी/एड्स के उपचार में प्रगति और हाल के वर्षों में मलेरिया के पहले टीके (त्ज़ैध/ˋ01) की मंजूरी विज्ञान की ही गौरवशाली उपलब्धियां हैं।

वर्ष 2026 की थीम ˋष्जंदक ूपजीˋबपमदबमष केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता है। आधुनिक युग में डिजिटल मीडिया के विस्तार के साथ स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाएं (प्दविकमउपब) एक नई महामारी की तरह उभरी हैं। टीकाकरण से लेकर कैंसर के उपचार तक, लोग अक्सर वैज्ञानिक प्रमाणों के स्थान पर अवैज्ञानिक दावों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। ऐसे में यह थीम दुनिया को याद दिलाती है कि विज्ञान ने ही हमें टीके, एंटीबायोटिक्स, उन्नत सर्जिकल तकनीक और जीवन रक्षक दवाएं दी हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति सम्मान और शोध में निवेश ही वह मार्ग है जिससे भविष्य की महामारियों को रोका जा सकता है। इसके साथ ही, 2026 का अभियान ष्वदम भ्मंसजीष दृष्टिकोण पर बहुत अधिक जोर देता है। विज्ञान हमें बताता है कि मनुष्यों का स्वास्थ्य अकेले नहीं सुधारा जा सकता, क्योंकि यह पशुओं और हमारे साझा पर्यावरण के स्वास्थ्य से गहराई से जुड़ा हुआ है। डेटा बताते हैं कि मनुष्यों में होने वाली लगभग 75 प्रतिशत नई उभरती संक्रामक बीमारियां श्ज़ूनोटिकश होती हैं, यानी वे जानवरों से मनुष्यों में फैलती हैं। इसलिए, जब हम विज्ञान के साथ खड़े होने की बात करते हैं, तो इसमें पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण, जैव–विविधता की रक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझना भी शामिल है।

आज वैश्विक स्वास्थ्य के सामने चुनौतियां पहले से कहीं अधिक जटिल हैं। गैर–संचारी रोग जैसे हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर और श्वसन संबंधी बीमारियां वर्तमान में दुनिया भर में होने वाली कुल मौतों का लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा हैं। डेटा के अनुसार, प्रत्येक वर्ष लगभग 41 मिलियन लोग इन बीमारियों के कारण अपनी जान गंवाते हैं, जिनमें से 17 मिलियन मौतें 70 वर्ष की आयु से पहले ही हो जाती हैं। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि हमारी जीवनशैली और वैज्ञानिक परामर्श की अनदेखी हमें किस ओर ले जा रही है। विशेष रूप से मधुमेह की समस्या एक वैश्विक संकट बन चुकी है, जिससे दुनिया भर में 530 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हैं और यह संख्या 2045 तक बढ़कर 780 मिलियन होने का अनुमान है। मानसिक स्वास्थ्य भी एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर 2026 के इस अभियान में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक विकार के साथ जी रहा है। डिप्रेशन और चिंता न केवल व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी हर साल खरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाते हैं। ष्जंदक ूपजी ˋबपमदबमष का संदेश हमें यह समझने के लिए प्रेरित करता है कि मानसिक रोग भी शारीरिक रोगों की तरह ही वैज्ञानिक उपचार और सामाजिक समर्थन के पात्र हैं।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए विश्व स्वास्थ्य दिवस का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। भारत ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, जैसे 2014 में पोलियो मुक्त घोषित होना और हाल के वर्षों में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज करना। हालांकि, चुनौतियां अभी भी शेष हैं। भारत की एक बड़ी आबादी अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है जहां गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच एक संघर्ष है। डेटा बताते हैं कि भारत में गैर–संचारी रोगों का बोझ तेजी से बढ़ रहा है और यह कुल मौतों के 60 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं स्वास्थ्य सेवा को लोकतांत्रिक बनाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन वैज्ञानिक जागरूकता की कमी अभी भी एक बाधा है। 2026 की थीम भारतीय संदर्भ में इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हमें स्वच्छता, पोषण और संक्रामक रोगों के नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक सोच को जमीनी स्तर तक ले जाने की आवश्यकता है। स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसे कार्यक्रम सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, क्योंकि अशुद्ध पानी और स्वच्छता की कमी के कारण होने वाली बीमारियां अभी भी विकासशील देशों में मृत्यु का एक बड़ा कारण हैं।

पर्यावरण और स्वास्थ्य के अंतर्संबंधों को वैज्ञानिक रूप से समझना अब और भी जरूरी हो गया है। वायु प्रदूषण को ही लें, जो प्रतिवर्ष वैश्विक स्तर पर लगभग 7 मिलियन अकाल मौतों के लिए जिम्मेदार है। यह न केवल फेफड़ों की बीमारियों बल्कि हृदय रोग और स्ट्रोक का भी एक प्रमुख कारक है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे मलेरिया और डेंगू जैसे मच्छरों से फैलने वाले रोगों का भौगोलिक विस्तार हो रहा है। विज्ञान हमें चेतावनी दे रहा है कि यदि हमने पर्यावरण के प्रति अपनी नीतियों में बदलाव नहीं किया, तो आने वाले दशकों में स्वास्थ्य प्रणालियां ढह सकती हैं। 2026 का अभियान सरकारों और अंतरराष्ट्रीय निकायों को इस बात के लिए प्रेरित करता है कि वे स्वास्थ्य नीतियों को जलवायु क्रिया के साथ जोड़ें। यदि हमें सतत विकास लक्ष्यों, विशेषकर तीसरे लक्ष्य श्स्वस्थ जीवन और खुशहालीश को साकार करना है, तो वैज्ञानिक नवाचार और वैश्विक समन्वय का मार्ग अपनाना आज की अनिवार्य आवश्यकता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन केवल बड़े भाषणों या सम्मेलनों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे एक जन आंदोलन का रूप लेना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में जब विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सिद्धांतों और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में सिखाया जाता है, तो वे आने वाली पीढ़ी के लिए एक मजबूत नींव रखते हैं। स्वास्थ्य शिविरों, टीकाकरण अभियानों और मुफ्त जांच कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिन की सार्थकता को जमीन पर उतारा जाता है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी स्वयं लेनी होगी। संतुलित आहार, नियमित शारीरिक व्यायाम, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन जैसी छोटी–छोटी चीजें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तरीके हैं जिनसे हम एक लंबी और स्वस्थ आयु प्राप्त कर सकते हैं। हमें यह समझना होगा कि आधुनिक तकनीक और दवाएं केवल बीमारी के उपचार में मदद करती हैं, जबकि स्वस्थ जीवनशैली बीमारी को रोकने का सबसे प्रभावी वैज्ञानिक तरीका है।

अंततः, विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें याद दिलाता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है और एक स्वस्थ समाज ही प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। हमें इस दिन यह संकल्प लेना चाहिए कि हम विज्ञान के प्रति अपनी आस्था बनाए रखेंगे, भ्रामक सूचनाओं से बचेंगे और स्वास्थ्य को अपने जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएंगे। स्वास्थ्य ही वह आधार है जिस पर हमारे सभी सपने और सफलताएं टिकी हैं। यदि हम विज्ञान और सहयोग के हाथ थामकर आगे बढ़ेंगे, तो निश्चित रूप से हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर पाएंगे जहां ष्मंसजी वित ।ससष केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता होगी। यह दिवस हमें निरंतर यह प्रेरणा देता रहे कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक धरोहर है जिसे हमें वैज्ञानिक सोच और एकजुटता के साथ सुरक्षित रखना है।

ईमेलः
mahendratone@gmail-com

रचना सक्सेना की ग़ज़ल

तीर से भी न तलवार से
बात बनती है मनुहार से

फासले मत बढ़ा इस तरह
ज़िंदगी की ख़ुशी प्यार से

अपने पुरखों से ही तो सुना
रिश्ते बिगड़े है तकरार से

बे-हिसी दिन-दिनोंदिन बढ़ी
ये समाचार अख़बार से

चैन दुनिया में मिलता जहाँ
सिर्फ 'रचना' वो घरबार से

रचना सक्सेना
अलोपीबाग, प्रयागराज

भाजपा का केरल की जनता से वादा

दक्षिण भारत के राज्य केरल में आगामी 9 अप्रैल को विधानसभा का चुनाव होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस राज्य में भी अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। हालांकि इस राज्य में वामपंथी दलों के संगठन और कांग्रेस गठबंधन के बीच ही मुकाबला होता रहा है लेकिन मंदिरों की इस धरती पर भगवा को थामने वाले भी बढ़े हैं। भाजपा यहां पर मुश्किल से 2 प्रतिशत वोट पाती थी लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को केरल की जनता ने 20 फीसद मतदान किया था। इतना ही नहीं मिनी विधनसभा चुनाव समझे गये स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा ने तिरुवनंतपुरम में अपना मेयर बनाने में सफलता प्राप्त कर ली। इससे भाजपा की उम्मीदें काफी बढ़ी हैं। भाजपा को युवाओं और महिलाओं के मतदान का काफी भरोसा रहता है। इसलिए भाजपा ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र में राज्य के समग्र विकास और आर्थिक मजबूती के साथ ही महिलाओं व गरीब परिवारों के कल्याण के लिए कई घोषणाएं की हैं। राज्य के लगभग ढाई करोड़ मतदाताओं में सवा करोड़ से ऊपर महिला मतदाता हैं। भाजपा को इन पर ज्यादा भरोसा है। तिरुवनंतपुरम में अपना मेयर बनाने के बाद भाजपा ने उसे इनोवेशन हब बनाने का वादा किया है। भाजपा के नये अध्यक्ष नितिन नवीन और केरल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर घोषणाओं को लागू करने के साक्षी बने हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केरल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपना मेनिफेस्टो 31 मार्च को जारी कर दिया था। इस घोषणापत्र में राज्य के समग्र विकास, आर्थिक मजबूती और महिलाओं व गरीब परिवारों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण वादे किए गए हैं। पार्टी ने 'विकसित केरलम' का लक्ष्य रखते हुए राज्य को वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने और विभिन्न शहरों को विशेष आर्थिक हब के रूप में विकसित करने की योजना पेश की है। घोषणापत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केरल प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने जारी किया। केरल में 9 अप्रैल 2026 को वोट डाले जाएंगे। जबकि मतगणना 4 मई को होगी। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 23 मई को समाप्त हो रहा है। राज्य की 140 सदस्यीय विधानसभा के लिए इस बार मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है, जहां यूडीएफ सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहा है, वहीं एलडीएफ पिछले करीब एक दशक से सरकार चला रहा है। राज्य में लगभग 2.7 करोड़ मतदाता हैं। संशोधित मतदाता सूची के मुताबिक सूबे में कुल 2,69,53,644 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं, जिनमें 1,31,26,048 पुरुष, 1,38,27,319 महिलाएं और 227 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। भाजपा अपने घोषणापत्र को संकल्प पत्र का नाम देती है। इस घोषणापत्र में अलग–अलग शहरों को खास पहचान देने की बात कही गई है। इन्हें अलग–अलग सेक्टर में विकसित करने का वादा किया है, जैसे– तिरुवनंतपुरम को आईटी और इनोवेशन हब बनाया जाएगा। कोच्चि को भारत का शिपबिल्डिंग केंद्र बनाया जाएगा। कोझिकोड को हेल्थकेयर और मेडिकल इनोवेशन का हब बनाया जाएगा। त्रिशूर को सांस्कृतिक पर्यटन राजधानी बनाया जाएगा। कोल्लम को ब्लू इकोनॉमी और समुद्री निर्यात का केंद्र बनाया जाएगा और कन्नूर को डिफेंस इनोवेशन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। पार्टी का दावा है कि इन योजनाओं से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। भाजपा के घोषणा पत्र में महिलाओं और गरीब परिवारों के लिए भी घोषणापत्र में कई अहम योजनाएं शामिल की गई हैं। भाजपा ने भक्ष्य आरोग्य सुरक्षा कार्ड देने का वादा किया है, जिसके तहत जरूरतमंद महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की सहायता दी जाएगी, जिससे वे दवाइयों और जरूरी सामान की खरीद कर सकें। इसके अलावा गरीब परिवारों को साल में 2 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, एक ओणम और एक क्रिसमस के अवसर पर देने की बात कही गई है। साथ ही हर घर को प्रति माह 20000 लीटर मुफ्त पानी देने का भी वादा किया गया है। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी खास जोर दिया गया है। पार्टी ने केरल में एक एआईआईएमएस स्थापित करने और तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक हाई–स्पीड रेल नेटवर्क विकसित करने की योजना पेश की है। इसके साथ ही सबरीमाला और गुरुवायूर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों के बेहतर प्रबंधन के लिए देवस्वम बोर्ड में सुधार का वादा किया गया है। मुल्लापेरियार बांध को लेकर भाजपा ने कहा कि तमिलनाडु को पानी मिलता रहेगा, लेकिन केरल के हितों की भी पूरी सुरक्षा की जाएगी। इस मौके पर बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों गठबंधन वर्षों से गेम फिक्सिंग की राजनीति कर रहे हैं और बारी–बारी से सत्ता में आते रहते हैं।

15 साल की उम्र में पोर्न साइट पर दिखीं जाह्नवी कपूर की तस्वीरें, खुद सुनाई दर्दनाक कहानी

> उन्होंने बताया कि जब वह महज 15 साल की थी, तब उन्हें एक एडल्ट वेबसाइट पर अपनी मॉर्फ्ड तस्वीर देखने को मिली थी।

जाह्नवी कपूर अक्सर नेपोटिज्म, सोशल प्रेशर और पब्लिक लाइफ से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती रही हैं। हाल ही में उन्होंने इंटरनेट पर वायरल हो रही अपनी एआई–जनरेटेड तस्वीरों को लेकर एक गंभीर अनुभव साझा किया, जिसने उनके निजी जीवन पर गहरा असर डाला। एक्ट्रेस ने बताया कि भले ही वह इस तरह की चीजों को ऑनलाइन दुनिया का हिस्सा मानकर नजरअंदाज करने की कोशिश करती हैं, लेकिन सच यह है कि ये घटनाएं उन्हें आज भी अंदर तक प्रभावित करती हैं। जाह्नवी ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने स्कूल के दिनों की एक असहज घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब वह महज 15 साल की थीं, तब उन्हें एक एडल्ट वेबसाइट पर अपनी मॉर्फ्ड तस्वीर देखने को मिली थी। उनके मुताबिक, स्कूल में आईटी क्लास के दौरान कुछ छात्र मजाक में ऐसी साइट्स खोलते थे और वहीं उन्हें अपनी बदली हुई तस्वीर दिखाई दी। जाह्नवी ने कहा कि उस समय वह समझ नहीं पाईं कि यह डीपफेक था या कुछ और, लेकिन यह अनुभव बेहद अजीब और परेशान करने वाला था। उन्होंने आगे कहा कि एक वक्त ऐसा भी आया जब उन्हें लगा कि पब्लिक लाइफ का हिस्सा बनने की कीमत यही है। सोशल मीडिया की दुनिया में कई बार नैतिकता की कमी साफ नजर आती है, जहां किसी की इमेज के साथ छेड़छाड़ करना आम बात बन चुकी है। जाह्नवी का मानना है कि एआई से बनाई गई ऐसी तस्वीरें सिर्फ निजी तौर पर ही नहीं, बल्कि उनके प्रोफेशनल करियर को भी प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इन तस्वीरों को इस तरह फैलाया जाता है जैसे उन्होंने खुद उन्हें साझा किया हो, जिससे लोगों की सोच प्रभावित होती है। ऐसे में अगर वह किसी प्रोजेक्ट में अपनी सीमाएं तय करती हैं, तो लोग उन्हीं फर्जी तस्वीरों का हवाला देकर सवाल उठा सकते हैं। एक्ट्रेस ने यह भी स्वीकार किया कि वह इन मुद्दों पर खुलकर शिकायत करने से बचती हैं। उनका मानना है कि अगर वह आवाज उठाएंगी, तो लोग उनकी बात समझने के बजाय उनकी ही आलोचना करने लगेंगे और असली मुद्दा पीछे छूट जाएगा। काम की बात करें तो जाह्नवी कपूर आखिरी बार फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं। आने वाले समय में वह साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में दिखाई देंगी।

मायसा के मेकर्स ने रश्मिका मंदाना के जन्मदिन पर रिलीज किया उनका जबरदस्त लुक!

पैन–इंडिया सेंसेशन रश्मिका मंदाना स्टारर मायसा 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। अपनी वर्सटैलिटी और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाने वाली रश्मिका ने अपनी परफॉरमेंस से हमेशा दर्शकों को सरप्राइज किया है, और मायसा भी कुछ अलग नहीं लग रही है। उम्मीद है कि यह फिल्म उन्हें एक निडर और दमदार रोल में दिखाएगी जो उनकी ऑन–स्क्रीन इमेज को पूरी तरह बदल सकता है। आज उनके जन्मदिन के मौके पर, मेकर्स ने एक कमाल का नया पोस्टर रिलीज किया है जिसमें टैलेंटेड स्टार पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आ रही हैं। यह मोनोक्रोम पोस्टर उनके इंटेंस लुक को कैप्चर करता है, जहाँ उनके चेहरे पर धूल और खून लगा है, जो उनकी रॉ पावर और इमोशन्स को साफ दिखाता है। यह दिलचस्प पोस्टर एक ऐसे किरदार की ओर इशारा करता है जो बोल्ड और रफ है, जिसने फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट को तुरंत बढ़ा दिया है। मेकर्स ने हाल ही में मायसा का फर्स्ट लुक रिलीज किया है, जिसने तुरंत ही हर तरफ चर्चा छेड़ दी है। रश्मिका मंदाना ने अपने निडर, रॉ और बिल्कुल नए अवतार से दर्शकों को हैरान कर दिया है, वहीं दमदार बैकग्राउंड स्कोर ने इसके असर को और भी बढ़ा दिया है। जबरदस्त एक्शन और जेक्स बिजॉय के म्यूजिक से सजी मायसा एक थ्रिलिंग सिनेमाई सफर का वादा करती है, जिसने इसे साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना दिया है। अनफॉर्मुला फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस और रवींद्र पुल्ले के डायरेक्शन में बनी मायसा आदिवासी इलाकों पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है, जो दमदार विजुअल्स, एक दिलचस्प कहानी और रश्मिका की यादगार परफॉरमेंस का वादा करती है।

अंबानी के इवेंट में श्रेया घोषाल ने लूटी महफिल, साड़ी में देखकर लोगों की थम गईं नजरें

भारत की सबसे बड़ी और सबसे भव्य सांस्कृतिक संस्था, नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र ने अपनी तीसरी वर्षगांठ एक भव्य समारोह के साथ मनाई। नीता अंबानी, चेयरपर्सन, रिलायंस फाउंडेशन और एनएमएसीसी, के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम, कला, संस्कृति और संगीत का एक अद्भुत संगम रहा। इस इवेंट में श्रेया घोषाल ने भी शिरकत की। उनकी खूबसूरती इस इवेंट में चार चांद लगाने का काम कर रही थी। इसी इवेंट के दौरान ही उन्होंने फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो फैंस के दिलों में राज कर रही हैं। उन्होंने इस खास शाम के लिए जो साड़ी चुनी, वह न केवल उनके व्यक्तित्व पर जच रही थी, बल्कि इवेंट की भव्यता के साथ भी पूरी तरह मेल खा रही थी। श्रेयां ने कोरल पिंक और रेड शेड की एक बेहद खूबसूरत बनारसी सिल्क साड़ी पहनी थी। इस साड़ी का बेस कलर काफी ब्राइट और फेस्टिव था, जो स्टेज की लाइटों के बीच उनकी चमक को और बढ़ा रहा था। पूरी साड़ी पर सुनहरे धागों का बारीक बूटी वर्क किया गया था, जो इसे एक रॉयल टच दे रहा था। साड़ी के साथ श्रेया ने गोल्डन सैटिन सिल्क का ब्लाउज पेयर किया था। ब्लाउज की स्लीव्स एल्बो–लेंथ थीं, जो आजकल काफी ट्रेंड में हैं और एक फॉर्मल व क्लासी लुक देती हैं। साड़ी के बॉर्डर और जरी के काम के साथ ब्लाउज का गोल्डन रंग पूरी तरह से सिंक हो रहा था। उन्होंने एक लंबी लेयर्ड कुंदन और मोती की माला पहनी थी, जिसके बीच में एक बड़ा पेंडेंट था। कानो में उन्होंने मैचिंग झुमके पहने थे, जो उनके चेहरे की बनावट पर बहुत सुंदर लग रहे थे।

एकता कपूर ने बताई भूत बंगला के टलने की असली वजह, धुरंधर–द रिवेंज को लेकर कही ये बात

अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म श्भूत बंगलाश लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। भूत बंगला पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच भूत बंगला की निर्माता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। भूत बंगला की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में धुरंधर 2 चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी भूत बंगला के लिए अच्छी स्क्रीन और शो–टाइम हासिल कर सकती थी। वैसे भी आजकल फिल्में आम तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अगर धुरंधरः द रिवेंज अच्छा कर रही है, तो अच्छी बात है। हम उसके साथ किसी जंग में नहीं हैं! हमने सोचा कि हमें थिएटर में आने से पहले उसे अपना करीब 85 परसेंट रन पूरा करने देना चाहिए। इससे पहले भूत बंगला के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज टलने को लेकर कहा था धुरंधर– द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। प्रदर्शकों को लगता है कि भूत बंगला की रिलीज टालने से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और अटेंशन मिल पाएगी, जिसकी वे हकदार हैं। आपको बता दें कि 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म धुरंधर द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर अब भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 18 दिनों में इसने भारत में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा लिया है। इसने वर्ल्डवाइज 1600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया है।

'धुरंधर की कामयाबी के पीछे है रणवीर सिंह का हाथ, मेकअप आर्टिस्ट ने खोले राज

मेकअप और प्रोस्थेटिक आर्टिस्ट करणदीप सिंह ने 'धुरंधर द रिवेंज के क्लाइमेक्स की शूटिंग के दौरान की मुश्किलों और कड़ी मेहनत के बारे में खुलकर बात की है। करणदीप सिंह ने सेट के अपने अनुभवों को शेयर करते हुए रणवीर सिंह के कमाल के डेडिकेशन की तारीफ की और बताया कि कैसे उस हाई–ऑक्टेन सीक्वेंस को शूट करने के लिए एक्टर ने शारीरिक और मानसिक तौर पर गजब का जज्बा दिखाया। करणदीप ने याद करते हुए कहा–हम लुधियाना के बाहरी इलाके में शूटिंग कर रहे थे और तापमान लगभग 47 से 48 डिग्री के आसपास था। वहां दूर–दूर तक एक भी पेड़ या छांव नहीं थी। आर्टिस्ट ने बताया आस–पास की हर मेटल की सतह से गर्मी निकल रही थी। एक तरफ गाड़ियां थी दूसरी तरफ कंटेनर और पास में ही मालगाड़ियां खड़ी थीं। हम इस सबके बिल्कुल बीच में शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा–फाइट सीक्वेंस के दौरान रणवीर एक कंटेनर से दूसरे कंटेनर पर कूद रहे थे। गर्मी की वजह से वो कंटेनर सच में तप रहे थे। हम हर दिन रणवीर पर जितना खून इस्तेमाल करते थे, वो यकीन के बाहर था। हमने एक हफ्ते में खून की पूरी बाल्टी खत्म कर दी थी। उन्होंने बताया, पंखे और एसी वहां थे लेकिन गर्मी इतनी थी कि कुछ भी काम नहीं कर रहा था। इतनी तपिश थी कि हम ठीक से खाना तक नहीं खा पा रहे थे। एक विग का अपना वजन और गर्मी होती है, उसे 47 डिग्री में पहनना बिल्कुल वैसा ही है जैसे ऊनी टोपी पहनना। करणदीप ने कहा इन सब बातों से जो सबसे बड़ी बात सामने आती है, वो है अपने काम के लिए रणवीर सिंह का जबरदस्त समर्पण। 47–48 डिग्री की भयंकर गर्मी में फिजिकली थका देने वाले एक्शन सीन्स करना, ऊपर से भारी पठानी सूट, लेदर जैकेट और ओवरकोट जैसे लेयड कपड़े पहनना, और कई दिनों तक प्रोस्थेटिक्स और नकली खून की परेशानी सहना, रणवीर पूरी तरह फिल्म में डूबे रहे और उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया।ये लगातार मेहनत अब फिल्म की जबरदस्त कामयाबी में साफ दिख रही है। 'धुरंधर द रिवेंज भारत में 1000 करोड़ का आंकड़ा पार करने की कगार पर है, और यह ऐतिहासिक बेंचमार्क हासिल करने वाली इकलौती हिंदी फिल्म बनने के लिए तैयार है। इस कामयाबी के केंद्र में रणवीर सिंह हैं, जिनकी परफॉरमेंस को हाल के समय की सबसे दमदार और प्रभावशाली परफॉरमेंस में से एक माना जा रहा है।

स्नेक्स में बनाएं क्रंची पोटेटो फ्रैंकी, बच्चों के साथ बड़े भी चाटते रह जाएंगे उंगलियां

बच्चे खाने में कई तरह के नखरे दिखाते हैं ऐसे में पेरेंट्स अक्सर इसी बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि उन्हें ऐसे कौन सी डिश दें जिसे वह स्वाद से खा सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी बच्चों के खाने–पीने को लेकर थोड़े कंफ्यूज हैं तो पोटेटो फ्रैंकी बनाकर खिला सकते हैं। पोटेटो फ्रैंकी एक फेमस वेजीटेरियन स्ट्रीट फूड्स है जिसे आप आसानी से घर में बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी के बारे में...

सामग्री

उबला हुआ आलू – 4–5
कटा हुआ प्याज – 1–2
कटा हुआ टमाटर – 1–2
अदरक–लहसुन का पेस्ट – 1 चम्मच
धनिया पाउडर – 2 चम्मच
आमचूर पाउडर – 1 चम्मच
टोमेटो सॉस – 3 चम्मच
रेड चिल्ली सॉस – 1 चम्मच
गेंहू का आटा – 2 कप
पत्तागोभी बरीक कटी हुई – 3 चम्मच
शिमला मिर्च बारीक कटी हुई – 1/4 कप
हरा धनिया बारीक कटा हुआ – 1 कप
बटर – 1 कप
मेयोनीज – 2 चम्मच
प्रोसेस्ड चीज – 1 चम्मच
नमक – स्वादअनुसार

बनाने की विधि

1. सबसे पहले आटा गूंथकर तवे पर एक नॉर्मल परांठा बनाकर सेक लें।

2. फिर कढ़ाई में तेल गर्म करके इसमें कटा हुआ प्याज और अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें ।

3. जब तक मिश्रण सुनहरा न हो इसको भूनें फिर इसमें आलू मैश करके डालें।

4. आलू डालने के बाद इसमें कटी हुई शिमला मिर्च, कटा हुआ टमाटर, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, आमचूर पाउडर, टोमेटो सॉस, रेड चिल्ली सॉस, हरा धनिया और नमक अच्छे से डालकर इसे अच्छे से मिक्स कर लें।

5.10–15 मिनट तक सारी सब्जियों को मिक्स करके मिश्रण को अच्छे से पकाएं।

6. इसके बाद आलू से तैयार किए इस मिश्रण को परांठे के बीच में रखें।

7. अब इसके ऊपर पत्तागोभी, प्याज और चीज फैलाएं।

8. इसके बाद परांठे को रोल करें ।

9. तवे पर बटर लगाकर परांठे को हल्का ब्राउन होने तक सेकें।

10. आपकी यमी पोटोटो फ्रैंकी बनकर तैयार है। गर्मा–गर्म नाश्ते में बच्चों और परिवार वालों को सर्व करें।

गर्मी में पेट और स्किन को ठंडा रखने वाले 6 सुपरहिट हरे पत्ते

गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखना और हाइड्रेटेड रहना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए न केवल पानी बल्कि कुछ हरी पत्तियां भी बेहद फायदेमंद होती हैं। ये न सिर्फ शरीर को ठंडा रखती हैं बल्कि पाचन और त्वचा के लिए भी लाभकारी होती हैं। आइए जानते हैं 6 ऐसे हरे पत्तों के बारे में और उनका सही इस्तेमाल।

पान

भारतीय संस्कृति में पान का इस्तेमाल प्राचीन समय से होता आया है। यह स्वाद में ताजगी देने के साथ शरीर को ठंडा भी रखता है। गर्मियों में पान का शेक बनाकर पीने से पेट और स्किन दोनों को ठंडक मिलती है।

पुदीना

पुदीना गर्मियों में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली हरी पत्ती है। आप इसे चटनी में, लस्सी या छाछ में मिला सकते हैं, या सीधे त्वचा पर लगाकर ठंडक पा सकते हैं। पुदीना पेट को ठंडा रखने और पाचन सुधारने में मदद करता है।

धनिया

धनिया की तासीर ठंडी होती है। इसके बीज और पत्ते दोनों ही शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं। आप इसे डिश में गार्निश के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं या चटनी बनाकर खा सकते हैं।

हरी प्याज

हरी प्याज की पत्तियां भी ठंडी तासीर वाली होती हैं। आप इसे सूप, दाल या सलाद में गार्निश के रूप में डाल सकते हैं। गर्मियों में हरी प्याज पेट को ठंडा रखने और डाइजेशन सुधारने में मदद करती है।

बेल के पत्ते

बेल का शरबत गर्मियों में बहुत लोकप्रिय है। इसके पत्ते भी गुणकारी होते हैं। सुबह खाली पेट 1–2 बेल के पत्ते

चबाकर खाने से शरीर ठंडा रहता है और पाचन में सुधार होता है।

लेमन ग्रास

लेमन ग्रास आसानी से घर में उगाया जा सकता है और गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। यह पाचन सुधारने, मूड को बेहतर बनाने और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी लाभकारी है।

सही इस्तेमाल का तरीका

इन पत्तियों का इस्तेमाल रोजाना की डाइट में मिलाकर

करें।

पत्तियों को छाछ, जूस, शेक या सूप में डालकर उपयोग करें।

त्वचा पर सीधे लगाने से पहले हल्के तौर पर धो लें।

बेल और लेमन ग्रास के पत्तों को सुबह खाली पेट लेने से अधिक लाभ मिलता है। गर्मी के मौसम में शरीर और स्किन को ठंडा रखने के लिए ये 6 हरे पत्ते बेहद फायदेमंद हैं। इन्हें अपनी रोजाना की डाइट में शामिल करने से पेट और त्वचा दोनों को ठंडक और ताजगी मिलती है।

बाजार से खरीदना है मीठा और स्वादिष्ट कीवी तो फॉलो करें ये 3 आसान तरीका

खट्टा–मीठा फल कीवी भी बहुत से लोगों की पहली पसंद होता है। खासकर गर्मी के मौसम में यह फल मार्केट में आपको आसानी से मिल जाएगा।

परंतु कैसा कीवी स्वाद में अच्छा है इस बात का अंदाजा लगाना मुश्किल है, क्योंकि सारे कीवी देखने में एक ही जैसे होते हैं। ऐसे में जब भी आप बाजार में कीवी खरीदने के लिए जाएं तो अच्छा और स्वादिष्ट कीवी खरीदने के लिए कुछ सिंपल टिप्स फॉलो कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं इनके बारे में...

ऐसे परखें अच्छा कीवी

कीवी खरीदने से पहले उसे अच्छे से परखें। कई बार सब्जी वाले अपनी बिक्री के लिए कोई पका हुआ कीवी निकालकर खिला देते हैं लेकिन आप कीवी को खरीदने से पहले दबाकर देखें। यदि कीवी बहुत ज्यादा आसानी से दब रहा है तो इसका अर्थ है कि वह अंदर से गला और बेस्वाद होगा।

खूशबू से करें पहचान

कीवी की खूशबू से भी आप इस बात का पता लगा सकते हैं कि यह स्वाद में अच्छा है या नहीं। जिस कीवी से तेज खुशबू आती है तो इसका मतलब है कि वह अंदर से पका हुआ और मीठा होगा। इसलिए इसे खरीदते दौरान उसकी खूशबु को नजरअंदाज न करें।

कीवी का छिलका

अगर आपको कीवी वजन में बहुत ज्यादा भारी लग रहा है या उसका छिलका मोटा और सख्त है तो इसका मतलब है कि वह अच्छे से पका नहीं है। ऐसे में कीवी को आगे और पीछे दोनों हिस्सों को देखकर लें। इसके अलावा अगर कीवी बहुत ज्यादा हरा लग रहा है और दबाकर दिखने पर भी सख्त दिख रहा है तो उसे बिल्कुल भी न खरीदें।

रसोई में खुला रखा नमक तो बढ़ जाएगा कर्ज, यहां जानिए किचन से जुड़े अहम वास्तु टिप्स

किचन को भी घर का मुख्य हिस्सा माना जाता है। ऐसे में मान्यताओं के अनुसार, यदि किचन में वास्तु दोष हो तो सारे परिवार वालों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। इसके अलावा खाने बनाने वाली महिला के स्वास्थ्य पर भी गहरा असर पड़ता है। इसलिए वास्तु के अनुसार, किचन से जुड़े नियमों का पालन करना जरुरी है। तो चलिए आपको बताते हैं किचन से जुड़े कुछ ऐसे नियम जिनसे आपका घर सुख–समृद्धि से भरा रहेगा। आइए जानते हैं इनके बारे में...

यहां हो किचन

मान्यताओं के अनुसार, किचन हमेशा अग्नि कोण दक्षिण या फिर पूर्व दिशा में होना चाहिए। इस दिशा में किचन न होने से घर के सदस्यों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। यदि किचन ईशान कोण यानी की उत्तर दिशा में हो तो घर में पैसे की कमी हो सकती है और संतान से भी रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसके अलावा संतान को भी कष्ट भी हो सकता है।

खराब होगा सास–बहू का रिश्ता

किचन यदि घर की उत्तर–पश्चिम दिशा में हो तो वास्तु दोष तो होता है लेकिन सास–बहू के रिश्ते खराब होने लगते हैं।

दक्षिण–पश्चिम दिशा में किचन

दक्षिण–पश्चिम दिशा में किचन होने से घर के मुखिया को

कष्ट हो सकता है। इसके अलावा मान सम्मान और स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

वास्तु दोष दूर करने के लिए अपनाएं ये नियम

अगर किचन में पॉजिटिव एनर्जी नहीं है तो आप बर्तन वाले स्टैंड में कोई सुंदर फल–फूल या फिर एक तस्वीर लगा दें। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहेगी और घरवालों का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

न छोड़े नमक खुला

घर में रखा हुआ नमक भी कभी खुला नहीं छोड़ना चाहिए। हमेशा इसका ढक्कन बंद करके रखें नहीं तो इससे आपके ऊपर कर्ज बढ़ सकता है।

संक्षिप्त

बिकनी में मालती चाहर की वायरल तस्वीरें चर्चा में, मिस्ट्री गर्ल से कैसे बनीं सोशल मीडिया की सनसनी?

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 के रोमांच के बीच मालती चाहर सोशल मीडिया पर अचानक चर्चा में आ गई हैं। भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और राहुल चाहर की बहन मालती की हालिया तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। झरने (वॉटरफॉल) के नीचे शूट की गई उनकी बिकिनी तस्वीरों ने इंस्टाग्राम और गूगल डिस्कवर पर जबरदस्त ट्रैक्शन हासिल किया है। यही वजह है कि वह आईपीएल के दौरान सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली पर्सनैलिटीज में शामिल हो गई हैं। मालती चाहर का यह लेटेस्ट फोटोशूट नेचर और ग्लैमर का बेहतरीन कॉम्बिनेशन पेश करता है। झरने के नीचे किए गए इस शूट ने विजुअल अपील को कई गुना बढ़ा दिया, जिससे तस्वीरें तेजी से शेयर होने लगीं। मालती ने इस शूट में मौव पिंक रंग की बिकनी पहनी, जो इस समय सेलिब्रिटी फैशन ट्रेंड में काफी लोकप्रिय है। सॉफ्ट कलर्स और बोल्ड स्टाइलिंग का यह कॉम्बिनेशन युवाओं के बीच तेजी से पसंद किया जा रहा है। मालती ने फोटो कैप्शन में लिखा, श्झरने मुझे याद दिलाते हैं कि बह जाने देना कितना खूबसूरत होता है। मालती की तस्वीरों में उनका आत्मविश्वास साफ नजर आता है। उनका नेचुरल और अनफिल्टर्ड स्टाइल युवाओं के बीच बॉडी पॉजिटिविटी का मजबूत संदेश देता है। आज के दौर में दर्शक ऐसे कंटेंट को ज्यादा पसंद करते हैं जो रियल और रिलेटेबल हो और मालती उसी ट्रेंड पर पूरी तरह फिट बैठती हैं। मालती चाहर का टोंड फिजीक भी चर्चा का बड़ा कारण है। उनका एथलेटिक बैकग्राउंड उन्हें सिर्फ ग्लैमरस ही नहीं, बल्कि फिटनेस कैटेगरी में भी पॉपुलर बना रहा है। मालती पहली बार आईपीएल 2018 के दौरान मिस्ट्री गर्ल के रूप में वायरल हुई थीं। उस समय कैमरे में कैद उनकी तस्वीरों ने उन्हें रातों–रात चर्चा में ला दिया था। आज भी वही पहचान उनकी डिजिटल लोकप्रियता को बनाए रखने में मदद कर रही है। हालांकि उन्हें अक्सर दीपक चाहर की बहन के रूप में जाना जाता है, लेकिन अब मालती ने अपनी अलग पहचान बना ली है। फिल्मों, रियलिटी शो और सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने खुद को एक इंडिपेंडेंट पर्सनैलिटी के रूप में स्थापित किया है। जब तक दीपक चाहर सीएसके से खेले, मालती अक्सर हर मैच में सीएसके को सपोर्ट करती हुई दिखती थीं। हालांकि, अब दीपक मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं और मालती अब नीली जर्सी में नजर आती हैं। मालती का कंटेंट, जिसमें ग्लैमर, ट्रैवल और फिटनेस का मिश्रण है, आज के सोशल मीडिया ट्रेंड्स के अनुसार है। उनकी लगातार एक्टिविटी और क्वालिटी पोस्ट्स उन्हें ट्रेंड में बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। फिल्मों, ओटीटी, रियलिटी टीवी और डिजिटल कंटेंट, हर प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहकर मालती चाहर एक मल्टी–प्लेटफॉर्म सेलिब्रिटी के रूप में उभर रही हैं। उनकी यह रणनीति उन्हें सिर्फ वायरल स्टार नहीं, बल्कि लंबे समय तक प्रासंगिक बनाए रखने में मदद करेगी।

पाकिस्तान क्यों देख रहा दिन में सपना? नकवी बोले– पीएसएल बनेगी नंबर–1 लीग! बयान से खुद की कराई किरकिरी

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी अब दिन में सपने देखने लगे हैं। उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि पीएसएल तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले समय में आईपीएल को टक्कर दे सकती है, यहां तक कि दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग भी बन सकती है। पीसीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में नकवी ने कहा, श्पीएसएल में निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी इसकी लोकप्रियता और ग्रोथ को दिखाती है। वह समय दूर नहीं जब पीएसएल दुनिया की नंबर वन लीग बन जाएगी। नकवी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पीएसएल का मौजूदा सीजन सीमित संसाधनों में आयोजित हो रहा है और सिर्फ दो वेन्यू पर मैच खेले जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर आईपीएल 2026 बिना किसी रुकावट के अपने तय कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है। यह अंतर दोनों लीग्स के संचालन और स्थिरता को साफ दर्शाता है। हकीकत यह है कि कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आईपीएल को प्राथमिकता देते हैं। कई बार ऐसा भी देखा गया है कि खिलाड़ी पीएसएल के कॉन्ट्रैक्ट छोड़कर आईपीएल खेलने चले आते हैं। इस सीजन में दासुन शनाका, स्पेंसर जॉनसन और ब्लेसिंग मुजरबानी जैसे खिलाड़ियों ने पीएसएल के बजाय आईपीएल को चुना। दोनों लीग्स के बीच सबसे बड़ा अंतर उनकी आर्थिक ताकत और ब्रांड वैल्यू में है। आईपीएल के मीडिया राइट्स करीब छह बिलियन डॉलर के हैं, जबकि पीएसएल की वैल्यू लगभग 93 मिलियन डॉलर है। आईपीएल का सालाना राजस्व एक बिलियन डॉलर से ज्यादा है, जबकि पीएसएल करीब 60 मिलियन डॉलर तक सीमित है। इसके अलावा ब्रॉडकास्टिंग क्वालिटी, फैन एंगेजमेंट और ग्लोबल रीच के मामले में भी आईपीएल काफी आगे है। वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन की हालिया रैंकिंग में पीएसएल 48 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है, जबकि आईपीएल 62.2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद है। इससे साफ है कि फिलहाल दोनों लीग्स के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। नकवी दिन में सपने देख रहे हैं और मौजूदा हालात को देखते हुए पीएसएल का आईपीएल को पीछे छोड़ना फिलहाल मुश्किल नजर आता है।

अश्विन का बड़ा खुलासा: बताया– चेन्नई में रहते ऐसा क्या हुआ कि लेना पड़ा आईपीएल से संन्यास, क्यों टूटी उम्मीदें?

चेन्नई,एजेंसी। भारतीय स्पिन दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल से संन्यास लेने के पीछे की बड़ी वजह का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया गया एक निराशाजनक सीजन उनके लिए बेहद कठिन और दर्दनाक रहा, जिसने उन्हें यह फैसला लेने पर मजबूर कर दिया। अश्विन ने अगस्त 2025 में आईपीएल को अलविदा कहा था, जबकि वह चाहते तो एक और सीजन खेल सकते थे, लेकिन मानसिक और भावनात्मक तौर पर वह खुद को तैयार नहीं कर पा रहे थे। अपने यूट्यूब चौनल पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, श्मैंने सीएसके के साथ एक निराशाजनक सीजन बिताया। व्यक्तिगत रूप से भी यह मेरे लिए अच्छा नहीं रहा। मैं एक और सीजन खेल सकता था, लेकिन भावनात्मक रूप से मेरे पास उतनी क्षमता नहीं बची थी। यह काफी दर्दनाक अनुभव था और मैं उस दौर में वापस नहीं जाना चाहता। मेरे संन्यास लेने से सीएसके के लिए यह फैसला आसान हो गया कि मुझे रिटेन करें या रिलीज। साथ ही टीम के पास नीलामी के लिए अतिरिक्त 10 करोड़ रुपये भी बच गए, जिनका वे बेहतर इस्तेमाल कर सकते थे।

आईपीएल 2025 सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बेहद खराब रहा था। टीम 14 में से सिर्फ चार मैच जीत पाई और अंक तालिका में सबसे नीचे रही। वहीं अश्विन का प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने नौ मैचों में सिर्फ सात विकेट लिए और उनका इकोनॉमी रेट 9.12 रहा। यह खराब प्रदर्शन और टीम की नाकामी उनके फैसले की बड़ी वजह बना। आईपीएल 2026 में भी चेन्नई सुपरकिंग्स की मुश्किलें जारी हैं। आरसीबी के खिलाफ मैच में टीम को 43 रन से हार का सामना करना पड़ा और यह उनकी लगातार तीसरी हार रही। अश्विन ने इस मैच पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं थोड़ा निराश हूं। मुझे काफी उम्मीदें थीं। मैंने इस मैच में आरसीबी को चुना था, लेकिन सीएसके ने पिछले मैच में सुधार दिखाया था। जिस तरह आरसीबी ने खेला है, उन्होंने बाकी टीमों को चेतावनी दे दी है। अश्विन ने सीएसके की गेंदबाजी रणनीति पर भी सवाल खड़े किए। उनका मानना है कि टीम अपने गेंदबाजों की ताकत के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर रही और उन्हें जबरदस्ती वाइड यॉर्कर डालने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उनके मुताबिक, यही वजह है कि टीम दबाव में आकर रन लुटा रही है और लगातार हार का सामना कर रही है।

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज जैमीसन ने की इम्पैक्ट प्लेयर नियम की आलोचना, बोले– इससे प्रतिभा हो रही कम

नई दिल्ली,एजेंसी। इम्पैक्ट प्लेयर नियम की आलोचना करने वाले में एक और नाम जुड़ गया है। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने इस नियम की आलोचना की है। उनका मानना है कि इससे खेल का कौशल काफी हद तक खत्म हो रहा है। जैमीसन ने पहले कई मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने इस नियम को लेकर चिंता व्यक्त की थी। कुछ खिलाड़ी इस नियम को ऑलराउंडर के विकास में बाधा मानते हैं, जबकि कुछ का मानना है कि इससे खेल का पलड़ा बल्लेबाजों के पक्ष में झुक जाता है क्योंकि टीमें अब आठवें नंबर पर एक अतिरिक्त बल्लेबाज होने के कारण शुरू से लेकर आखिर तक आक्रामक अंदाज में खेल सकती हैं। जैमीसन ने गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के मैच से पहले कहा, निजी तौर पर मैं इस नियम का समर्थक नहीं हूं। मुझे लगता है कि इससे खेल में कौशल का महत्व काफी हद तक कम हो जाता है। मुझे लगता है कि अगर आप नौवें या 10वें नंबर तक बल्लेबाज रख सकते हैं तो फिर आपको उस तरह के बल्लेबाजी कौशल की जरूरत नहीं पड़ेगी जो शायद आपको पहले की तरह चाहिए होती थी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2023 में यह नियम लागू किया था और यह 2027 तक बना रहेगा। इसके बाद इस नियम की समीक्षा की जाएगी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैमीसन ने कहा कि आईपीएल के अलावा दुनिया की किसी भी बड़ी लीग में इम्पैक्ट प्लेयर नियम का उपयोग नहीं किया जाता। जैमीसन ने कहा, मुझे लगता है कि इसका असर ऑलराउंडर पर पड़ रहा है।

इससे ऐसे खिलाड़ी प्रभावित हो रहे हैं जो गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों कर सकते हैं और टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं। इस नियम से खेल से इस कौशल का महत्व थोड़ा कम हो जाता है। दुनिया भर में या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आपको बहुत कम ही ऐसी जगहें देखने को मिलेंगी जहां इम्पैक्ट प्लेयर का नियम लागू होता है। इसके पीछे कोई अच्छा कारण ही होगा। जैमीसन को दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से वर्तमान सत्र में अभी तक खेलने का मौका नहीं मिला है क्योंकि टीम केवल चार विदेशी खिलाड़ियों को मैदान में उतार सकती हैं।

उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर हर कोई खेलना चाहता है। प्रत्येक खिलाड़ी इस टीम को मैच जिताने के लिए अपना योगदान देना चाहता है। लेकिन केवल चार विदेशी खिलाड़ी ही खेल सकते हैं और मेरे लिए यह क्रिकेटर के रूप में बेहतर बनने का समय है। इसके लिए आईपीएल से बेहतर कोई मंच नहीं हो सकता है।

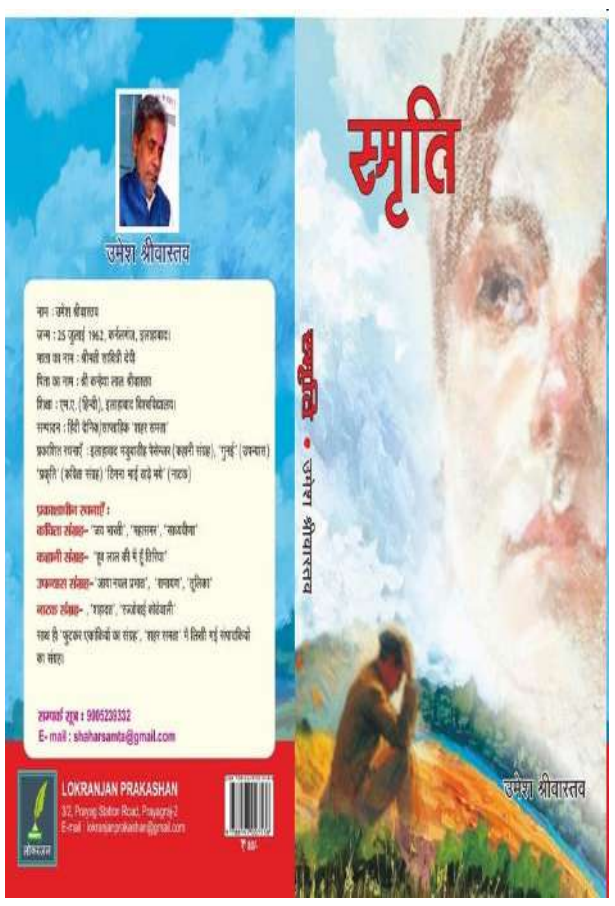

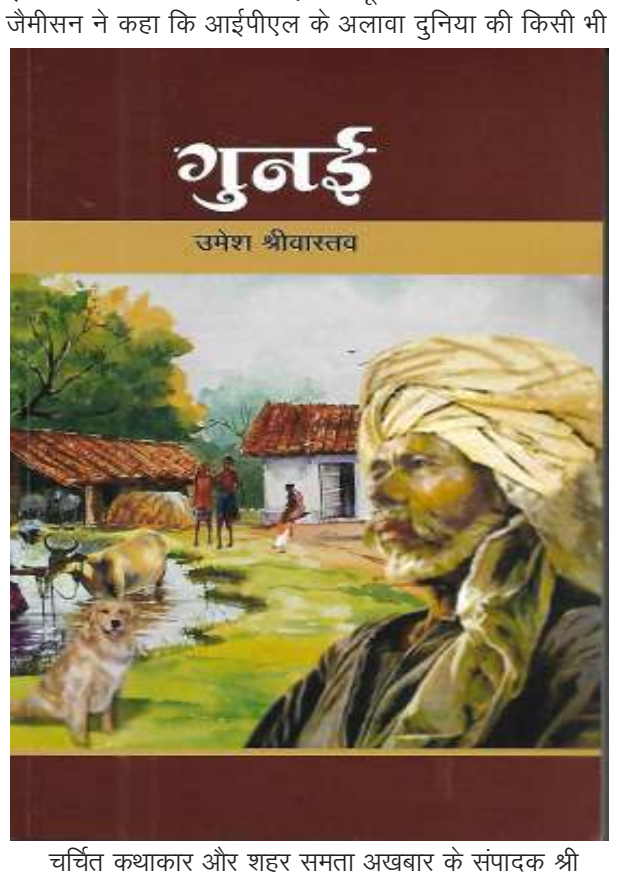

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

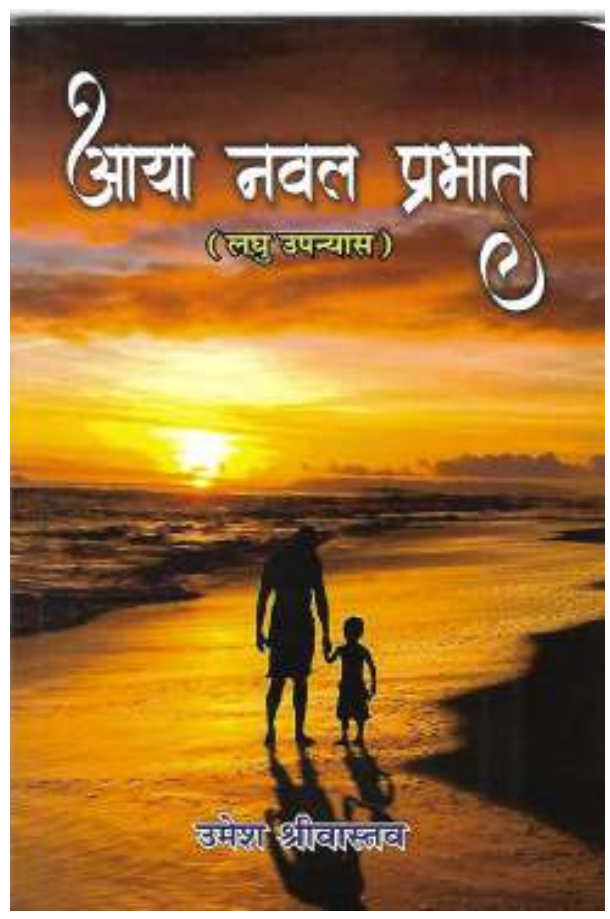

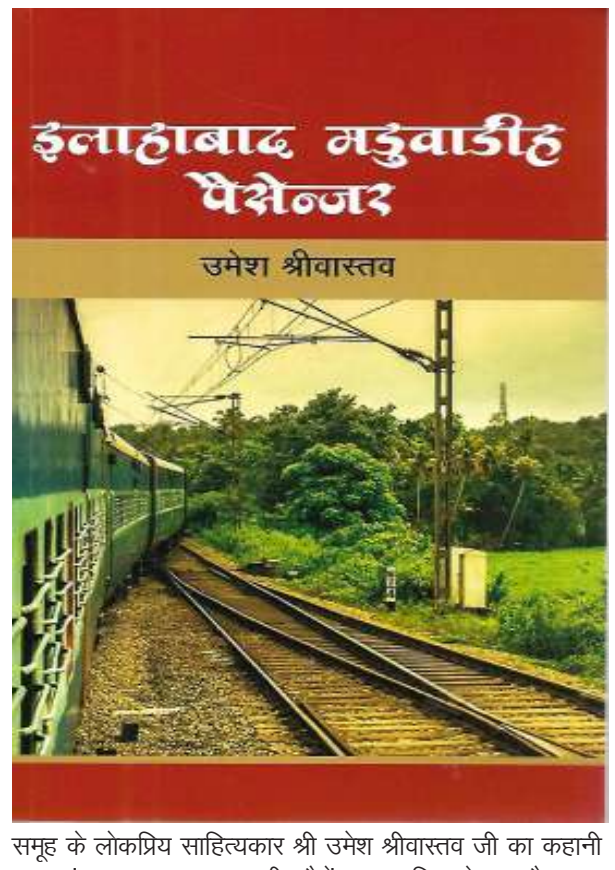

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

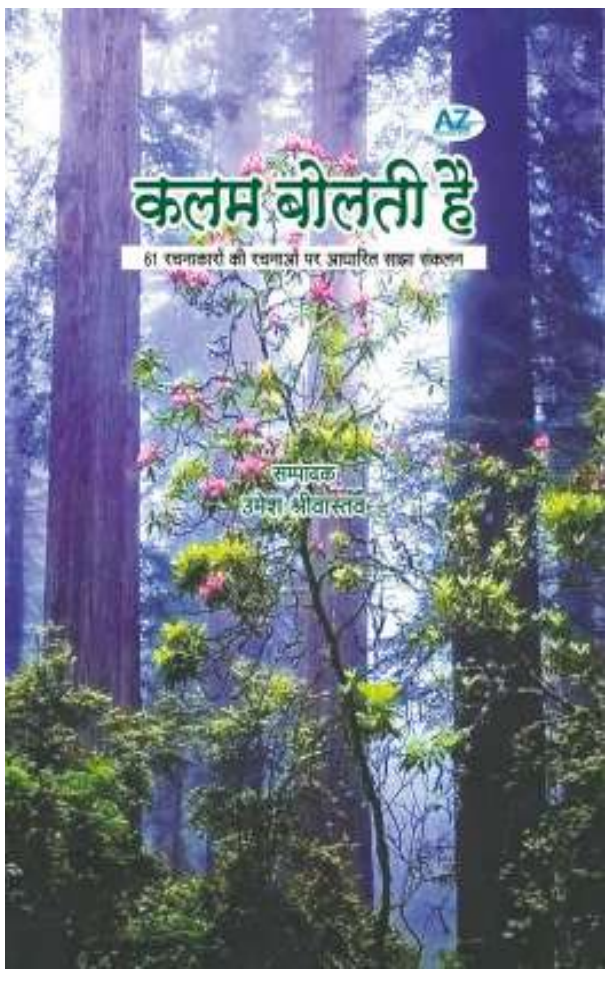

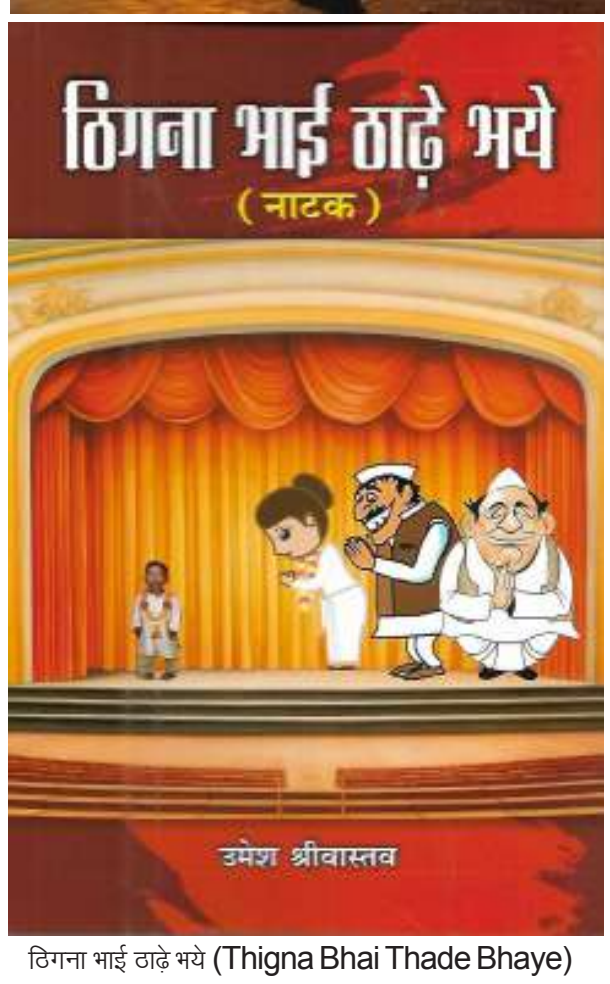

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

तीन शब्दों से बची पायलट की जान, संदेश को यूएस ने समझा ईरानी चाल, ट्रंप ने बताया कैसे किया डिकोड

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया है कि ईरान में गिराए गए F–15 लड़ाकू विमान के एक

विमान गिरने के बाद अमेरिका के पास अधिकारी के ठिकाने से जुड़ी बीपिंग जानकारी आ रही थी। इसी दौरान पायलट की ओर से रेडियो पर एक छोटा और असामान्य संदेश मिला- 'ईश्वर की शक्ति।'

डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति

क्रू सदस्य के रेडियो संदेश ने शुरुआत में अमेरिकी सेना के भीतर चिंता बढ़ा दी थी। कुछ समय के लिए यह आशंका भी जताई गई कि यह संदेश ईरान की किसी चाल का हिस्सा हो सकता है। अमेरिकी मीडिया एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने बताया कि विमान गिरने के बाद अमेरिका के पास अधिकारी के ठिकाने से जुड़ी बीपिंग जानकारी आ रही थी। इसी दौरान पायलट की ओर से रेडियो पर एक छोटा और असामान्य संदेश मिला– 'ईश्वर की शक्ति।' झूठे संकेत और ईरानी साजिश का शक ट्रंप ने कहा कि यह संदेश सुनकर कुछ अधिकारियों को लगा कि यह ऐसा वाक्य है जो आमतौर पर मुस्लिम संदर्भ में इस्तेमाल होता है। इससे यह संदेह पैदा हुआ कि कहीं पायलट को पकड़ तो नहीं लिया गया और ईरान की ओर से अमेरिकी बलों को फंसाने के लिए झूठे संकेत तो नहीं भेजे जा रहे हैं। हालांकि, बाद में एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि असल में संदेश श्भगवान अच्छा हैश था। इसके बाद हालात की जांच की गई और धीरे–धीरे संदेह दूर हो गया। जांच के बाद साफ हुई स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक आगे की पुष्टि के बाद यह स्पष्ट हुआ कि पायलट सुरक्षित था और किसी के कब्जे में नहीं था। ट्रंप ने कहा कि पायलट को जानने वाले लोगों ने बताया कि वह बेहद धार्मिक है, इसलिए उनका संदेश उनकी व्यक्तिगत आस्था के अनुरूप था। रक्षा अधिकारी ने भी इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि शुरुआत में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं थी, लेकिन बाद में जांच के जरिए यह सुनिश्चित किया गया कि पायलट जीवित है और सुरक्षित है। 24 घंटे से ज्यादा समय तक बचकर रहा पायलट मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह क्रू सदस्य हथियार प्रणाली अधिकारी था और ईरान के पहाड़ी इलाके में घायल अवस्था में 24 घंटे से अधिक समय तक छिपा रहा। इस दौरान उसने खुद को दुश्मन के कब्जे से बचाए रखा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी विमान को ईरानी बलों ने कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल से गिराया था। उन्होंने विमान के क्रू सदस्य को भाग्यशाली बताया। खतरनाक रेस्क्यू ऑपरेशन बचाव अभियान के लिए अमेरिकी विशेष बलों को ईरान के अंदर तक भेजा गया, जहां से उन्होंने इस पायलट को सुरक्षित बाहर निकाला। ट्रंप ने इस मिशन को अमेरिकी इतिहास के सबसे साहसी खोज एवं बचाव अभियानों में से एक बताया। रिपोर्ट के अनुसार इस अभियान में नेवी सील टीम सिक्स के कमांडो शामिल थे, जबकि अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी काफिलों को दूर रखने के लिए कार्रवाई की। आखिरकार यह मिशन सफल रहा और पायलट को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

दुबई में पर्यटन पर संकट: 80प्रतिशत तक गिरी कमाई, होटल-रेस्तरां भी सूने, समझिए कर्मचारियों पर संकट क्यों?

एजेंसी/दुनिया के सबसे व्यस्त पर्यटन केंद्रों में शामिल दुबई पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते गहरे संकट से गुजर रहा है। पिछले साल यानी 2025 में 19.59 मिलियन अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत करने वाला यह शहर अब खाली होटलों, सूने रेस्तरां और ठप पड़े एयर ट्रैफिक की मार झेल रहा है। पर्यटन

उद्योग से जुड़े कारोबारियों के अनुसार, आय में 50प्रतिशत से 80प्रतिशत तक की गिरावट आई है, जबकि होटल ऑक्यूपेंसी कई जगह 15–20प्रतिशत तक सिमट गई है। बीबीसी, बुकिंग प्लेटफार्म वेगो, डाटा एनालिटिक्स कंपनी एयरडीएनए और ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के अनुसार दुबई के रेस्तरां, जो आमतौर पर पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भीड़ से गुलजार रहते थे, अब खाली नजर आ रहे हैं। टाशस हॉस्पिटैलिटी ग्रुप की संस्थापक नताशा साइडेरिस कहती हैं कि देशभर में 14 आउटलेट्स और 1,000 से अधिक कर्मचारियों वाले उनके ग्रुप में राजस्व 50प्रतिशत से अधिक गिर चुका है, जबकि पर्यटकों पर निर्भर आउटलेट्स में यह गिरावट 70प्रतिशत से 80प्रतिशत तक पहुंच गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई प्रतिष्ठानों को अपने आधे से ज्यादा कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजना पड़ा है। डेटा फर्म एयरडीएनए के अनुसार, युद्ध शुरू होने के पहले महीने (28 फरवरी से 29 मार्च) के दौरान यूएई में 2,26,500 से अधिक शॉर्ट–टर्म बुकिंग रद्द हुई हैं।पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी होटल और शॉर्ट–टर्म अपार्टमेंट सप्लाई अब भारी दबाव में है, क्योंकि मांग अचानक गिर गई है। दुबई के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम करने वाले प्रवासी कामगार इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है या उन्हें बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिया गया है। एक दक्षिण एशियाई वेटर के मुताबिक, यह कोविड–19 जैसा लग रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

आर्टेमिस-II के कैमरे में कैद 20 करोड़ साल पुरानी टक्कर का निशान, अंतरिक्षयात्री ने दिखाई झलक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का आर्टेमिस मून मिशन क्रू जैसे–जैसे चांद के करीब पहुंच रहा है, रोचक जानकारी के साथ चांद और पृथ्वी की नई झलक भी दिखा रहा है। इसी कड़ी में एस्ट्रोनॉट क्रिस विलियम्स ने कैमरे में कैद पृथ्वी के 20 करोड़ साल पुराने टकराव के निशान यानी श्मैनिकौगन क्रेटरश की झलक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिखाई। अंतरिक्षयात्री ने दिखाया दुर्लभ नजारा क्रिस विलियम्स ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए चंद्रमा और पृथ्वी के गड्ढों (क्रेटर्स) के बारे में बताया है। उन्होंने क्रू के चंद्रमा के करीब पहुंचने पर होने वाले अनुभव का जिक्र

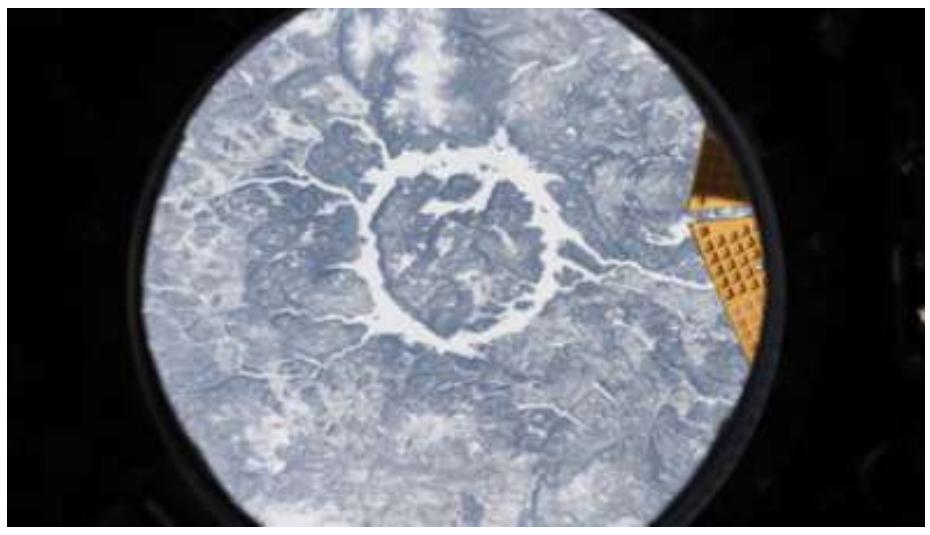

किया। क्रिस विलियम्स ने लिखा कि जैसे–जैसे आर्टेमिस II का क्रू चांद के पास आएगा, उन्हें चांद की सतह का सीधा नजारा देखने को मिलेगा। सबसे खास बात यह होगी कि चांद की दूसरी तरफ (फार साइड) कई गड्ढे दिखाई देगी। ये गड्ढे सौर मंडल के इतिहास में हुए क्षुद्रग्रहों और उल्कापिंडों के टकरावों से बने हैं। ये हमारे सौर मंडल के इतिहास का रिकॉर्ड हैं। उन्होंने आगे बताया कि पृथ्वी पर भी ऐसे कई टकराव हुए हैं, जिनका बड़ा प्रभाव पड़ा। उदाहरण के लिए, डायनासोर युग के अंत में हुए एक बड़े टकराव ने इन जीवों के विलुप्त होने में भूमिका निभाई। लेकिन पृथ्वी पर प्लेट टेक्टोनिक्स, मौसम और ज्वालामुखी गतिविधियों ने अधिकांश पुराने गड्ढों को मिटा दिया है। इस कारण पृथ्वी के टकराव का इतिहास नहीं दिखता है। चांद हमें इस पूरी तस्वीर को समझने में मदद करता है और हमारे पृथ्वी के अतीत की अनोखी कहानी सुनाता है। क्षुद्र ग्रह के टकराने से बना था गड्ढा विलियम्स ने बताया कि पृथ्वी पर अभी भी कई गड्ढे मौजूद हैं, लेकिन वे चांद वाले गड्ढों की तरह आसानी से नजर नहीं आते। कुछ गड्ढे हालांकि स्पष्ट दिखाई देते हैं। उदाहरण के तौर पर कनाडा के क्यूबेक में स्थित मैनिकौगन क्रेटर को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बहुत आसानी से देखा जा सकता है। यह गड्ढा लगभग 20 करोड़ साल पहले बना था, जब करीब 5 किलोमीटर चौड़े एक क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराया था। आज यह गड्ढा 70 किलोमीटर से भी ज्यादा चौड़ा है। क्रिस ने अपनी पोस्ट में लिखा कि जब वे व्यायाम कर रहे थे, तब उन्होंने आईएसएस के कूपोला खिड़की से इस गड्ढे का शानदार नजारा देखा। नजारा इतना खूबसूरत था कि उन्होंने कसरत रोककर इसकी तस्वीर ले ली।

होर्मुज पर बढ़ी रार: ईरानी नौसेना बोली- पहले जैसे नहीं होंगे हालात, इराकी संगठन ने भी दी यूएस -इस्राइल को धमकी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच ईरानी नौसेना ने एलान किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हुए परिवर्तन अब बदले नहीं जा सकेंगे। ईरानी नौसेना ने कहा कि खासतौर से अमेरिका और इस्राइल जैसे देशों के लिए यह अपनी पूर्व स्थिति में वापस नहीं लौटेगा। ईरानी मीडिया प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार नौसेना ने हालिया क्षेत्रीय विकास को रेखांकित किया है, जिससे एक नई वास्तविकता स्थापित हुई है। इस नई हकीकत के तहत, वाशिंगटन के नेतृत्व वाली बाहरी शक्तियां अब ईरान के तत्काल समुद्री वातावरण में अपनी शर्तों को निर्धारित नहीं कर सकतीं या अनियंत्रित प्रभाव नहीं डाल सकतीं। फारस की खाड़ी में नई सुरक्षा व्यवस्था प्रेस टीवी के अनुसार इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की नौसेना ने एक्स

पर एक पोस्ट में यह टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि ईरानी अधिकारियों की फारस की खाड़ी में एक नए व्यवस्था की योजना के लिए तैयारियां चल रही हैं। इस पहल का उद्देश्य फारस की खाड़ी में एक नई स्वदेशी सुरक्षा व्यवस्था स्थापित करना है। इसका सिद्धांत यह है कि क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा की गारंटी स्वयं तटीय राज्यों द्वारा दी जानी चाहिए, जिसमें बाहरी ताकतों की उत्तेजक और अवैध उपस्थिति न हो। ईरानी नौसेना की क्या है तैयारी? प्रेस टीवी के अनुसार इन तैयारियों में नौसैनिक तैनाती में वृद्धि, उन्नत निगरानी प्रणालियां और समन्वित त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताएं शामिल हैं। यह सब ईरानी क्षेत्रीय जल की सुरक्षा और जलडमरूमध्य के माध्यम से ऊर्जा के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। नौसेना कमान का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर आया है, जिसमें उन्होंने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर वह होर्मुज को बंद रखना जारी रखता है तो उसे नरक का सामना करना पड़ेगा। ईरान समर्थित इराकी समूह ने भी दी धमकी ईरान समर्थित इराकी समूह कताइब हिजबुल्लाह ने होर्मुज जलडमरूमध्य को जबरन फिर से खोलने के किसी भी प्रयास के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है। समूह ने कहा है कि यदि ऐसे कोई प्रयास किए गए तो ऊर्जा सुविधाओं पर हमला किया जाएगा। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण ईरान का इस महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग पर नियंत्रण बना हुआ है, देश के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य अमेरिका, इस्राइल और उनके सहयोगियों से जुड़े जहाजों को छोड़कर सभी के लिए खुला रहेगा।

45 दिन के युद्धविराम के लिए बातचीत जारी, रिपोर्ट में बड़ा दावा

एजेंसी/पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच जारी यह युद्ध 37वें दिन में प्रवेश कर चुके है। इसी बीच ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच

45 दिन के संभावित युद्धविराम को लेकर कूटनीतिक कोशिशें तेज हो गई हैं। एक्सियोस न्यूज आउटलेट की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थ देशों के बीच इस प्रस्ताव पर गंभीर बातचीत चल रही है, जिसे युद्ध खत्म करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, ये वार्ताएं पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की की मध्यस्थता में हो रही हैं। साथ ही, दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच सीधे संदेशों के जरिए भी संवाद जारी है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अगले 48 घंटों में समझौता होने की संभावना कम है। हालांकि, इसे युद्ध को और बढ़ने से रोकने का अंतिम प्रयास माना जा रहा है। क्या ट्रंप ने ईरान के लिए समय सीमा बढ़ा दी है? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए समझौता करने या विनाशकारी हमलों का सामना करने के लिए दी गई अपनी स्वयं निर्धारित समय सीमा को 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, ष्मंगलवार, रात 8रू00 बजे पूर्वी समय!ष यह पोस्ट उनके उस संदेश के कुछ घंटों बाद आई, जिसमें ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर होर्मुज को तुरंत नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने बेहद आक्रामक भाषा का इस्तेमाल करते हुए संकेत दिया कि अमेरिका कड़े सैन्य कदम उठा सकता है। होर्मुज बंद, दुनिया भर में असर दरअसल, 28 फरवरी को अमेरिका–इस्राइली के बमबारी अभियान की शुरुआत के बाद से ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के शिपिंग लेन को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है। यह मार्ग दुनिया के तेल और गैस के लिए एक महत्वपूर्ण है। नाकाबंदी के कारण, कई देश ईंधन और गैस संकट का सामना कर रहे हैं। जिससे दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और बदले में, अमेरिका में महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव वर्ष में ट्रंप पर दबाव पड़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा? डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र को संबोधित करने के बाद से कोई सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया है। उन्होंने एक अमेरिकी वायुसैनिक के नाटकीय बचाव की घोषणा करने और इस्लामी गणराज्य को अपशब्दों से भरी चेतावनी जारी करने के बाद मीडिया आउटलेट्स के साथ संक्षिप्त साक्षात्कारों की एक श्रृंखला की। उन्होंने वॉल स्ट्रीट जर्नल के साथ एक साक्षात्कार में नए समय की पुष्टि की। उन्होंने रविवार को जर्नल को बताया, ष्हमारी स्थिति बहुत मजबूत है। ईरान को पुनर्निर्माण में 20 साल लगेंगे, अगर वे भाग्यशाली रहे, अगर उनका देश बचा रहा तो। और अगर वे मंगलवार शाम तक कुछ नहीं करते हैं, तो उनके पास कोई बिजली संयंत्र नहीं बचेगा, और कोई पुल भी खड़ा नहीं रहेगा।ष उन्होंने फॉक्स न्यूज को बताया कि उनका मानना है कि सोमवार को ईरान के साथ समझौता होने की अच्छी संभावना है। उन्होंने आगे कहा, ष्अगर वे जल्द से जल्द समझौता नहीं करते हैं, तो मैं सब कुछ उड़ा देने और तेल पर कब्जा करने पर विचार कर रहा हूं।ष

पश्चिम एशिया में तनाव: तेहरान के रिहायशी इलाकों पर बमबारी से 13 लोगों की मौत, शरीफ यूनिवर्सिटी पर भी हवाई हमला

तेहरान, एजेंसी।सोमवार तड़के ईरान की राजधानी तेहरान के दक्षिण–पश्चिम में स्थित इस्लामशहर के पास एक रिहायशी इमारत पर हुए हवाई हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। ईरानी मीडिया के अनुसार, यह हमला शहर के नजदीकी इलाके में हुआ, हालांकि इमारत को निशाना बनाए जाने की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। स्थानीय समाचार एजेंसियों ने बताया कि हमले के बाद इलाके में भारी तबाही का मंजर है और राहत व बचाव कार्य जारी है। कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका भी जताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं और कुछ के अभी भी दबे होने की आशंका है। तेहरान की शरीफ यूनिवर्सिटी पर हवाई हमला

इसी दौरान तेहरान स्थित शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी को भी निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के अनुसार, हमले में विश्वविद्यालय की कुछ इमारतों को नुकसान पहुंचा, साथ ही पास स्थित गैस वितरण केंद्र भी प्रभावित हुआ। हालांकि, विश्वविद्यालय परिसर के भीतर असल लक्ष्य क्या था, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। युद्ध के चलते देशभर के शैक्षणिक संस्थान बंद हैं और सभी कक्षाएं ऑनलाइन चल रही हैं, जिससे कैंपस पहले से ही खाली था। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई घंटों तक आसमान में नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की आवाजें गूंजती रहीं, जिससे हालात और भयावह हो गए। गौरतलब है कि इस यूनिवर्सिटी पर पहले भी कई देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं, क्योंकि इसका नाम ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और सैन्य अनुसंधान से जोड़ा जाता रहा है। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से ईरान की अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के नियंत्रण में है। इधर, इस्राइल में सुरक्षा एजेंसियों ने एक मिसाइल अलर्ट जारी किया, जबकि संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में भी दो बार ऐसे अलर्ट बजाए गए। वहां एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय हो गया, लेकिन यह साफ नहीं हो पाया कि ईरान की ओर से किस लक्ष्य को निशाना बनाया गया था। कुवैत ने भी दावा किया है ।

नेतन्याहू ने ट्रंप को क्यों किया कॉल?: अमेरिकी पायलट के बचाव अभियान को बताया साहसिक फैसला

अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सोमवार की तड़के सुबह बातचीत की। नेतन्याहू ने ट्रंप को ईरान के इलाके में फंसे एक अमेरिकी पायलट को बचाने के लिए चलाए गए सुनियोजित अमेरिकी मिशन के लिए बधाई दी है। यह

घटना तब हुई, जब तेहरान ने इस्फहान के पास एक एफ–15 लड़ाकू विमान को मार गिराया था। नेतन्याहू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बचाव मिशन के दौरान इस्राइल की मदद की सराहना की है। उन्होंने कहा, ष्मैंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की। उनके साहसिक फैसले और दुश्मन के इलाके से अपने पायलट को बचाने के लिए एक जबरदस्त अमेरिकी मिशन के लिए व्यक्तिगत रूप से उन्हें बधाई दी। राष्ट्रपति ने इस्राइल की मदद के लिए सराहना की।ष्प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने आगे कहा, ष्मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि युद्धक्षेत्र में और उसके बाहर हमारा सहयोग अभूतपूर्व है। इस्राइल एक बहादुर अमेरिकी योद्धा को बचाने में योगदान दे सका। इस्राइल ने दी खुफिया जानकारी, टाले हवाई हमले सीएनएन ने इस्राइली सूत्रों का हवाला देते हुए पहले यह रिपोर्ट दी थी कि इस्राइल ने बचाव मिशन के लिए अमेरिका को खुफिया सहायता की पेशकश की थी। वहीं, पायलट के खोज एवं बचाव मिशन में बाधा डालने से बचने के लिए ईरान पर कुछ नियोजित हमलों को टाल दिया था। ट्रंप ने बचाव अभियान पर ठोकी अपनी पीठ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को पुष्टि की थी कि सेना ने एफ–15 के दूसरे चालक दल के सदस्य को बचा लिया है, जो विमान गिराए जाने के बाद लापता हो गया था। ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने इसे अमेरिकी सेना का सबसे साहसी खोज और बचाव अभियान बताया। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी सैनिक को पीछे नहीं छोड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पायलट को चोटें आई थीं।

गूगल ट्रेंड में ट्रंप के लीडरशिप का सवाल- पद कब छोड़ोगे? भू-राजनीतिक संकट ने सोचने पर किया विवश

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका–इस्राइल–ईरान युद्ध के बीच वैश्विक स्तर पर गूगल ट्रेंड्स में एक असामान्य उछाल दर्ज किया गया है, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ–साथ उनके कार्यकाल, पद छोड़ने की तारीख और अमेरिकी नेतृत्व की समयसीमा को लेकर रिकॉर्ड स्तर पर सर्च किए जा रहे हैं। डिजिटल एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म्स और सार्वजनिक डेटा संकेत देते हैं कि मौजूदा भू–राजनीतिक संकट ने लोगों को यह जानने के लिए प्रेरित किया है कि अमेरिकी नेतृत्व कितने समय तक बना रहेगा और भविष्य की नीति दिशा क्या होगी। ट्रंप को लेकर क्या सवाल कर रहे ट्रेंड? गूगल ट्रेंड्स के हालिया डेटा के अनुसार, व्हेन विल ट्रंप लीव ऑफिस, ट्रंप टर्म एंड डेट और यूएस प्रेसिडेंशियल टर्म ड्यूरेशन जैसे सर्च टर्म्स में अभूतपूर्व उछाल देखा गया है। विभिन्न क्षेत्रों में इन कीवर्ड्स की लोकप्रियता अपने उच्चतम स्तर के करीब पहुंचती दिखाई दी, जिसे डिजिटल विश्लेषकों ने रिकॉर्ड सर्च इंटरेस्ट की श्रेणी में रखा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।